

छत्तीसगढ़ शासन
कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग
-:: मंत्रालय, महानदी भवन, नया रायपुर ::-

अधिसूचना

क्रमांक/एफ 9-5/2017/तक.शि./42 दिनांक 22/03/2017

“छत्तीसगढ़ निजी व्यावसायिक शिक्षण संस्था (प्रवेश का विनियमन एवं शुल्क का निर्धारण) अधिनियम 2008” के अध्याय 3 के प्रावधानों के अनुसार राज्य सरकार, एतद् द्वारा, सहायता न पाने वाली निजी तकनीकी संस्थाओं में संचालित विभिन्न तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के संबंध में निम्नानुसार नियम बनाती हैं :-

1. **संक्षिप्त नाम** : ये नियम “छत्तीसगढ़ तकनीकी संस्थानों हेतु प्रवेश नियम 2017” कहलायेंगे । इन नियमों को एतस्मिन् पश्चात ‘प्रवेश नियम’ कहा गया है ।
2. **प्रयोजनीयता**: ये नियम अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्/विश्वविद्यालय से अनुमोदित/संबद्ध/संघटक एवं छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित समस्त तकनीकी संस्थाओं तथा इन संस्थाओं में संचालित तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष (लेटरल एंट्री) में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों पर लागू होंगे । यही नियम तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित करने वाले शासकीय संस्थाओं, स्वशासी स्ववित्तीय संस्थाओं तथा शासकीय विश्वविद्यालयीन संस्थाओं में भी लागू होंगे ।
3. **परिभाषायें** :- इन नियमों में, जहां तक संदर्भ से अन्यथा अभिप्रेत न हो, निम्नलिखित अभिव्यक्तियों का अर्थ निम्नानुसार होगा :-
 - (1) ‘**प्रवर्ग**’ से अभिप्रेत है, छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जाति प्रवर्ग (एस.सी.), अनुसूचित जनजाति प्रवर्ग (एस.टी.) एवं अन्य पिछड़ा वर्ग प्रवर्ग (क्रीमीलेयर को छोड़कर) (ओ.बी.सी.) और जो इन तीनों प्रवर्ग में नहीं आता है, उसे अनारक्षित प्रवर्ग माना जायेगा ।
 - (2) ‘**व्यापम**’ से अभिप्रेत है, ‘छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल’, रायपुर ।
 - (3) ‘**सक्षम प्राधिकारी**’ से अभिप्रेत है, ऐसा अधिकारी जिसे राज्य शासन द्वारा काउंसिलिंग कार्य हेतु सक्षम प्राधिकारी घोषित किया गया है ।
 - (4) ‘**प्राचार्य**’ से अभिप्रेत है, संस्था प्रमुख अथवा संस्था का प्रभारी ।
 - (5) ‘**छत्तीसगढ़**’ से अभिप्रेत है, छत्तीसगढ़ राज्य जो केन्द्र शासन की अधिसूचना के कारण दिनांक 01.11.2000 को अस्तित्व में आया ।
 - (6) ‘**अभातशिप**’ से अभिप्रेत है, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली ।
 - (7) ‘**संचालक**’ से अभिप्रेत है, संचालक, तकनीकी शिक्षा, छत्तीसगढ़, नया रायपुर ।
 - (8) ‘**अभ्यर्थी**’ से अभिप्रेत है, उस व्यक्ति से जो इन नियमों के अंतर्गत प्रवेश हेतु इच्छुक है ।
 - (9) ‘**वर्ग**’ से अभिप्रेत है ‘सैनिक वर्ग’, ‘स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वर्ग’ एवं ‘निःशक्तता से बाधित वर्ग’ और इनमें से जो उपरोक्त किसी भी वर्ग में नहीं आता उसे ‘बिना वर्ग’ माना जायेगा ।
 - (10) ‘**अल्पसंख्यक संस्था**’ से अभिप्रेत है, ऐसी संस्था जो किसी अल्पसंख्यक द्वारा तकनीकी/व्यवसायिक शिक्षा प्रदान करने हेतु स्थापित तथा प्रशासित की गई हो एवं जो राज्य शासन द्वारा अधिसूचित की गई हो ।
 - (11) ‘**निजी संस्था**’ से अभिप्रेत है, कोई तकनीकी शिक्षण संस्था, जो किसी राज्य या केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित न हो ओर किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता या सहायता अनुदान प्राप्त नहीं कर रही हो ।
 - (12) ‘**पी.ई.टी.**’ से अभिप्रेत है, छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल, रायपुर द्वारा बी.ई. पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु मेरिट के निर्धारण के लिये ली जाने वाली राज्य स्तरीय सामान्य प्रवेश परीक्षा, प्री इंजीनियरिंग टेस्ट ।

- (13) 'पी.पी.एच.टी.' से अभिप्रेत है, छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल, रायपुर द्वारा बी.फार्मेसी, डी.फार्मेसी एवं बायोटेक्नालॉजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु मेरिट के निर्धारण के लिये ली जाने वाली राज्य स्तरीय सामान्य प्रवेश परीक्षा, प्री फार्मेसी टेस्ट।
- (14) 'जे.ई.ई (मेन)' से अभिप्रेत है, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल, नई दिल्ली द्वारा बी.ई./बी.टेक. पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु मेरिट के निर्धारण के लिये ली जाने वाली अखिल भारतीय स्तरीय सामान्य प्रवेश परीक्षा, ज्वाइंट इंट्रेन्स एक्जामिनेशन।
- (15) 'पी.पी.टी.' से अभिप्रेत है, छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल, रायपुर द्वारा डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु मेरिट के निर्धारण के लिये ली जाने वाली राज्य स्तरीय सामान्य प्रवेश परीक्षा, प्री पॉलीटेक्निक टेस्ट।
- (16) 'डिप्लोमा इंजीनियरिंग' से अभिप्रेत है, इंजीनियरिंग में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित समस्त डिप्लोमा स्तरीय तकनीकी पाठ्यक्रम।
- (17) 'प्री-एम.सी.ए.' से अभिप्रेत है, छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल, रायपुर द्वारा एम.सी.ए. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु मेरिट के निर्धारण के लिये ली जाने वाली राज्य स्तरीय सामान्य प्रवेश परीक्षा, प्री मास्टर इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन टेस्ट।
- (18) 'निमसेट' से अभिप्रेत है, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थाओं द्वारा एम.सी.ए. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु मेरिट के निर्धारण के लिये ली जाने वाली अखिल भारतीय स्तरीय प्रवेश परीक्षा, एनआईटी एम.सी.ए. कॉमन इंट्रेन्स टेस्ट।
- (19) 'जी.ए.टी.ई.' से अभिप्रेत है, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों द्वारा एम.ई./एम.टेक. पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु मेरिट के निर्धारण के लिये ली जाने वाली अखिल भारतीय स्तरीय प्रवेश परीक्षा, ग्रेजुएट एपीट्यूट टेस्ट इन इंजीनियरिंग।
- (20) 'जी.पी.ए.टी.' से अभिप्रेत है, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली द्वारा एम.फार्मेसी पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु मेरिट के निर्धारण के लिये ली जाने वाली अखिल भारतीय स्तरीय प्रवेश परीक्षा, ग्रेजुएट फार्मेसी एपीट्यूट टेस्ट।
- (21) 'सी.एम.ए.टी.' से अभिप्रेत है, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली द्वारा एम.बी.ए. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु मेरिट के निर्धारण के लिये ली जाने वाली अखिल भारतीय स्तरीय प्रवेश परीक्षा, कॉमन मैनेजमेंट एडमिशन टेस्ट।
- (22) 'एम.ए.टी.' से अभिप्रेत है, अखिल भारतीय मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा एम.बी.ए. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु मेरिट के निर्धारण के लिये ली जाने वाली अखिल भारतीय स्तरीय प्रवेश परीक्षा, मैनेजमेंट एपीट्यूट टेस्ट।
- (23) 'सी.ए.टी.' से अभिप्रेत है, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट द्वारा एम.बी.ए. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु मेरिट के निर्धारण के लिये ली जाने वाली अखिल भारतीय स्तरीय प्रवेश परीक्षा, कॉमन एडमिशन टेस्ट।
- (24) 'एक्स.ए.टी.' से अभिप्रेत है, जेवियर लेबर रिलेशन्स इंस्टीट्यूट, जमशेदपुर द्वारा एम.बी.ए. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु मेरिट के निर्धारण के लिये ली जाने वाली अखिल भारतीय स्तरीय प्रवेश परीक्षा, जेवियर एपीट्यूट टेस्ट।
- (25) 'ए.टी.एम.ए.' से अभिप्रेत है, एसोसिएशन ऑफ इंडियन मैनेजमेंट स्कूल्स द्वारा एम.बी.ए. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु मेरिट के निर्धारण के लिये ली जाने वाली अखिल भारतीय स्तरीय प्रवेश परीक्षा, एआईएमएस टेस्ट फॉर मैनेजमेंट एडमिशन।
- (26) 'नाटा' से अभिप्रेत है, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवान्सड स्टडीज इन आर्किटेक्चर द्वारा बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु मेरिट के निर्धारण के लिये ली जाने वाली अखिल भारतीय स्तरीय एपीट्यूट परीक्षा, नेशनल एपीट्यूट टेस्ट इन आर्किटेक्चर।
- (27) 'प्रायोजित अभ्यर्थी' से अभिप्रेत, उस व्यक्ति से है जो इन नियमों के अंतर्गत प्रवेश हेतु इच्छुक है एवं जो राज्य शासन/केन्द्र शासन/किसी पंजीकृत कम्पनी/संस्था में पूर्णकालिक अथवा संविदा पर कम से कम दो वर्ष से नियोजित है तथा जिसे नियोक्ता/प्राधिकारित अधिकारी द्वारा पूर्णकालिक पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने तथा अध्ययन करने हेतु अनुमति दी गयी हो।
- (28) 'टी.एफ.डब्ल्यू' से अभिप्रेत है, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली की ट्यूशन फी वेव्हर योजना।
- (29) 'काउंसिलिंग समिति' से अभिप्रेत है, विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु काउंसिलिंग कार्य एवं प्रवेश संबंधित निर्णय करने हेतु राज्य शासन द्वारा गठित समिति।

4 (अ) प्रवेश हेतु सीटों के कोटा का निर्धारण -

(i) बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग, बैचलर ऑफ फार्मेसी/डिप्लोमा फार्मेसी, बैचलर आफ आर्किटेक्चर एवं मास्टर आफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्रथम वर्ष की सीटों को निम्नानुसार चार प्रकार के कोटा प्रतिशत में विभाजित किया गया है :-

विवरण	CGQ1	OSQ1	MQ1	MINQ1
निजी संस्थायें	75	10	15	निरंक
किरोड़ीमल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी, रायगढ़	80	10	10	निरंक
इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी, कोरवा	75	10	15	निरंक
शासकीय संस्थायें	100	निरंक	निरंक	निरंक
शासकीय विश्वविद्यालयीन संस्थायें	100	निरंक	निरंक	निरंक
निजी अल्पसंख्यक संस्थायें	50	निरंक	निरंक	50

- (1) छत्तीसगढ़ राज्य कोटा (CGQ1) :- इस कोटा के अंतर्गत केवल छत्तीसगढ़ राज्य के मूल निवासी अभ्यर्थी प्रवेश के पात्र होंगे। छत्तीसगढ़ राज्य के मूल निवासी उपलब्ध न होने पर इसे आवश्यकतानुसार अन्य राज्य कोटा में परिवर्तन किया जा सकता है। इस कोटे पर प्रवेश पी.ई.टी., पी.पी.एच.टी., नाटा, प्री-एम.सी.ए. की मेरिट के आधार पर होंगे।
- (2) अन्य राज्य कोटा (OSQ1) :- इस कोटे के अंतर्गत केवल अन्य राज्य के अभ्यर्थी ही प्रवेश के पात्र होंगे। अन्य राज्य के अभ्यर्थी नहीं उपलब्ध होने पर इसे आवश्यकतानुसार छत्तीसगढ़ राज्य कोटा में परिवर्तन किया जा सकता है। इस कोटे पर प्रवेश जे.ई.ई.(मेन), पी.पी.एच.टी., नाटा, निमसेट की मेरिट के आधार पर होंगे।
- (3) मेनेजमेंट कोटा (MQ1) :- इस कोटे के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य के साथ ही साथ अन्य राज्य के अभ्यर्थी भी प्रवेश हेतु पात्र होंगे। इस कोटे पर प्रवेश पी.ई.टी./जे.ई.ई.(मेन), पी.पी.एच.टी., नाटा, प्री-एम.सी.ए./निमसेट के मेरिट के आधार पर होंगे। इस कोटे में प्रवेश के लिए भी संपूर्ण नियम लागू रहेंगे।
- (4) अल्पसंख्यक कोटा (MINQ1) :- इस कोटे के अंतर्गत अल्पसंख्यक वर्ग के अभ्यर्थी ही प्रवेश हेतु पात्र होंगे। इस कोटे पर प्रवेश पी.ई.टी./जे.ई.ई.(मेन), पी.पी.एच.टी., नाटा, प्री-एम.सी.ए./निमसेट के मेरिट के आधार पर होंगे। इस कोटे में प्रवेश के लिए भी संपूर्ण नियम लागू रहेंगे।

(ii) डिप्लोमा (इंजीनियरिंग) पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्रथम वर्ष की सीटों को निम्नानुसार दो प्रकार के कोटा प्रतिशत में विभाजित किया गया है :-

विवरण	CGQ2	MQ2
निजी संस्थायें	85	15
शासकीय संस्थायें	100	निरंक

- (1) छत्तीसगढ़ राज्य कोटा (CGQ2) :- इस कोटा के अंतर्गत केवल छत्तीसगढ़ राज्य के मूल निवासी अभ्यर्थी प्रवेश के पात्र होंगे। इस कोटे पर प्रवेश पी.पी.टी. की मेरिट के आधार पर (बिंदु 7.3 के प्रावधानों को छोड़कर) होंगे।
- (2) मेनेजमेंट कोटा (MQ2) :- इस कोटा के अंतर्गत केवल छत्तीसगढ़ राज्य के मूल निवासी अभ्यर्थी प्रवेश के पात्र होंगे। इस कोटे पर प्रवेश पी.पी.टी. की मेरिट के आधार पर (बिंदु 7.3 के प्रावधानों को छोड़कर) होंगे। इस कोटे में प्रवेश के लिए भी संपूर्ण नियम लागू रहेंगे।

(iii) एम.ई./एम.टेक., एम.फार्मेसी, एम.बी.ए. पाठ्यक्रमों की सीटों को निम्नानुसार कोटा प्रतिशत में विभाजित किया गया है :-

विवरण	ME/MTech		M.Pharmacy		MBA	
	CGQ3	SQ3	CGQ3	MQ3	CGQ3	MQ3
निजी संस्थायें	75	25	85	15	85	15
शासकीय संस्थायें	75	25	100	निरंक	100	निरंक
शासकीय विश्वविद्यालयीन संस्थायें	75	25	100	निरंक	100	निरंक
निजी अल्पसंख्यक संस्थायें	75	25	-	-	-	-

- (1) छत्तीसगढ़ राज्य कोटा (CGQ3) :- इस कोटा के अंतर्गत केवल छत्तीसगढ़ राज्य के मूल निवासी अभ्यर्थी प्रवेश के पात्र होंगे। छत्तीसगढ़ राज्य के मूल निवासी उपलब्ध न होने पर इसे आवश्यकतानुसार अन्य राज्य कोटा में परिवर्तन किया जा सकता है।
- (2) प्रायोजित कोटा (SQ3) :- इस कोटे के अंतर्गत केवल प्रायोजित अभ्यर्थी ही प्रवेश ले सकता है। निवास का बंधन नहीं है। इस कोटे में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा की आवश्यकता नहीं है। इस कोटे में प्रवेश के लिए शेष सभी नियम लागू रहेंगे।
- (3) मेनेजमेंट कोटा (MQ3) :- इस कोटे के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य के साथ ही साथ अन्य राज्य के अभ्यर्थी भी प्रवेश हेतु पात्र होंगे। इस कोटे में प्रवेश के लिए शेष संपूर्ण नियम लागू रहेंगे।

(iv) इंजीनियरिंग एवं फार्मैसी स्नातक पाठ्यक्रमों तथा एम.सी.ए. पाठ्यक्रम में द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) में लेटरल एण्ट्री सीटों को निम्नानुसार कोटा प्रतिशत में विभाजित किया गया है :-

विवरण	CGQ4	MQ4	MINQ4
निजी संस्थायें	85	15	निरंक
किरोड़ीमल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी, रायगढ़	100	निरंक	निरंक
इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी, कोरबा	85	15	निरंक
शासकीय संस्थायें	100	निरंक	निरंक
शासकीय विश्वविद्यालयीन संस्थायें	100	निरंक	निरंक
निजी अल्पसंख्यक संस्थायें	50	निरंक	50

- (1) छत्तीसगढ़ राज्य कोटा (CGQ4) :- इस कोटे के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य के मूल निवासी अभ्यर्थी प्रवेश के लिए पात्र होंगे।
- (2) मेनेजमेंट कोटा (MQ4) :- इस कोटे के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य के साथ ही साथ अन्य राज्य के अभ्यर्थी भी प्रवेश हेतु पात्र हैं। इस कोटे में प्रवेश के लिए संपूर्ण नियम लागू रहेंगे।
- (3) अल्पसंख्यक कोटा (MINQ4) :- इस कोटे के अंतर्गत अल्पसंख्यक वर्ग के अभ्यर्थी ही प्रवेश हेतु पात्र होंगे। इस कोटे में प्रवेश के लिए संपूर्ण नियम लागू रहेंगे।

(v) डिप्लोमा (इंजीनियरिंग) पाठ्यक्रमों एवं डिप्लोमा इन कास्ट्यूम डिजाईन एवं ड्रेस मेकिंग में प्रवेश हेतु द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) में लेटरल एण्ट्री सीटों को निम्नानुसार दो प्रकार के कोटा प्रतिशत में विभाजित किया गया है :-

विवरण	CGQ5	MQ5
निजी संस्थायें	85	15
शासकीय संस्थायें	100	निरंक

- (1) छत्तीसगढ़ राज्य कोटा (CGQ5) :- इस कोटा के अंतर्गत केवल छत्तीसगढ़ राज्य के मूल निवासी अभ्यर्थी प्रवेश के पात्र होंगे।
- (2) मेनेजमेंट कोटा (MQ5) :- इस कोटा के अंतर्गत केवल छत्तीसगढ़ राज्य के मूल निवासी अभ्यर्थी प्रवेश के पात्र होंगे। इस कोटे में प्रवेश के लिए भी संपूर्ण नियम लागू रहेंगे।

(vi) डिप्लोमा इन कास्ट्यूम डिजाईन एवं ड्रेस मेकिंग, डिप्लोमा इन इन्टीरियर डिजाईन एवं डेकोरेशन, डिप्लोमा इन मार्डन आफिस मेनेजमेंट एवं डिप्लोमा इन आर्किटेक्चर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्रथम वर्ष की सीटों को निम्नानुसार दो प्रकार के कोटा प्रतिशत में विभाजित किया गया है :-

विवरण	CGQ6	MQ6
निजी संस्थायें	85	15
शासकीय संस्थायें	100	निरंक

- (1) छत्तीसगढ़ राज्य कोटा (CGQ6) :- इस कोटा के अंतर्गत केवल छत्तीसगढ़ राज्य के मूल निवासी अभ्यर्थी प्रवेश के पात्र होंगे । इस कोटे पर प्रवेश अर्हकारी परीक्षा की मेरिट के आधार पर (बिंदु 7.3 के प्रावधानों को छोड़कर) होंगे ।
- (2) मेनेजमेंट कोटा (MQ6) :- इस कोटा के अंतर्गत केवल छत्तीसगढ़ राज्य के मूल निवासी अभ्यर्थी प्रवेश के पात्र होंगे । इस कोटे पर प्रवेश अर्हकारी परीक्षा की मेरिट के आधार पर (बिंदु 7.3 के प्रावधानों को छोड़कर) होंगे । इस कोटे में प्रवेश के लिए भी संपूर्ण नियम लागू रहेंगे ।

टीप :- कोई संस्था स्वेच्छा से मेनेजमेंट कोटा की समस्त सीटों को छत्तीसगढ़ राज्य कोटा में समर्पण एवं परिवर्तन कर सकती है। आंशिक समर्पण मान्य नहीं है। इसके लिए संस्था को काउंसिलिंग प्रारंभ होने के एक सप्ताह पूर्व आवेदन करना होगा।

(ब) आबंटन क्रम

- (1) इंजीनियरिंग, फार्मेसी, बी. आर्क एवं एम.सी.ए. संस्थाओं में संचालित पाठ्यक्रमों की प्रथम वर्ष की सीटों को सबसे पहले अन्य राज्यों के अभ्यर्थियों को अन्य राज्य कोटा के अंतर्गत जे.ई.ई. (मेन), पी.पी.एच.टी., नाटा, निमसेट के आधार पर प्रवेश हेतु आबंटन किया जाएगा। सीट रिक्त रहने पर रिक्त सीटों को छत्तीसगढ़ राज्य कोटा में परिवर्तित कर दिया जाएगा।
- (2) इसके पश्चात छत्तीसगढ़ राज्य कोटा की सीटों तथा उपरोक्तानुसार बिंदु (01) की शेष रह गई सीटों को छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासी अभ्यर्थियों से पी.ई.टी., पी.पी.एच.टी., नाटा, प्री-एम.सी.ए. परीक्षाओं की मेरिट के आधार पर प्रवेश हेतु आबंटन किया जाएगा।
- (3) तत्पश्चात् सीट रिक्त रहने पर इंजीनियरिंग संस्थाओं की सीटों पर छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासी अभ्यर्थियों को पी.ई.टी./जे.ई.ई. (मेन) के मेरिट के आधार पर सीट आबंटन किया जाएगा।
- (4) इसके पश्चात भी सीट रिक्त रहने पर अन्य राज्यों के अभ्यर्थी को इंजीनियरिंग संस्थाओं की सीटों पर पी.ई.टी./जे.ई.ई. (मेन) की मेरिट के आधार पर सीट आबंटन किया जाएगा।
- (5) नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थित संस्थानों के डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश नियम 7.3 के प्रावधानों के अनुसार दिया जायेगा।
- (6) सामान्यतः प्रवेश हेतु काउंसिलिंग की प्रक्रिया एक से अधिक चरणों में होगी।

(स) काउंसिलिंग में सम्मिलित होने वाले तकनीकी संस्थाएं एवं पाठ्यक्रम तथा शर्तें :-

- (1) छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित तकनीकी संस्थाओं में विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष/द्वितीय वर्ष (लेटरल एंट्री) में प्रवेश हेतु उपलब्ध कुल स्थानों की संख्या तकनीकी शिक्षा संचालनालय, नया रायपुर (छ.ग.) की [website-www.cgdterapur.ac.in](http://www.cgdterapur.ac.in) पर प्रत्येक अकादमिक सत्र के लिए काउंसिलिंग की प्रक्रिया प्रारंभ करने के पूर्व दर्शाई जावेगी।
- (2) इंजीनियरिंग के स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम, एम.सी.ए. पाठ्यक्रम तथा पॉलिटेक्निक संस्थाओं के डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रत्येक अकादमिक सत्र में प्रथम वर्ष में स्वीकृत सीटों की 20 प्रतिशत सांख्येत्तर सीट लेटरल एंट्री हेतु द्वितीय वर्ष में प्रवेश के लिए उपलब्ध रहेंगी। फार्मेसी संस्थाओं के स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम में प्रत्येक अकादमिक सत्र में प्रथम वर्ष में स्वीकृत सीटों की 10 प्रतिशत सांख्येत्तर सीट लेटरल एंट्री हेतु द्वितीय वर्ष में प्रवेश के लिए उपलब्ध रहेंगी।
- (3) काउंसिलिंग में सम्मिलित होने के लिये प्रत्येक निजी इंजीनियरिंग, फार्मेसी, आर्किटेक्चर, एम.सी.ए. एवं एम.बी.ए. संस्थाओं को रु. 1000/- एवं प्रत्येक निजी पॉलिटेक्निक संस्थाओं को रु. 500/- प्रति स्वीकृत सीट की दर से कुल स्वीकृत प्रवेश क्षमता अनुसार कांशन मनी काउंसिलिंग प्रारंभ होने के एक सप्ताह पूर्व जमा करना अनिवार्य है। किसी संस्था को कांशन मनी न जमा करने पर अथवा अन्य समुचित कारण/कारणों से केन्द्रीयकृत काउंसिलिंग प्रक्रिया से बाहर रखना, यह काउंसिलिंग समिति का विशेषाधिकार रहेगा। यह कांशन मनी संस्थाओं द्वारा ट्यूशन फी वेव्हर योजना के परिपालन एवं छात्रों की फीस संबंधी शिकायत के निराकरण के पश्चात वापसी योग्य है। फीस वापसी संबंधी शिकायतों का निराकरण यदि संस्था द्वारा नहीं किया जाता है, तो जमा कांशन मनी से छात्रों को फीस वापस करने की कार्यवाही संचालनालय के द्वारा की जा सकती है।

(4) एम.ई/एम.टेक के लिए प्रायोजित अभ्यर्थियों हेतु कुल सीटों में से विषयवार/ब्रांचवार एवं संस्थावार 18/20 सीटों पर 5 सीटें, 24 सीटों पर 6 सीटें, 36 सीटों पर 9 सीटें आरक्षित रहेंगी। तथापि प्रायोजित सीटें नहीं भरने पर इसे अप्रायोजित अभ्यर्थी से जी.ए.टी.ई. के माध्यम से भरा जा सकेगा। इसी प्रकार यदि अप्रायोजित अभ्यर्थी से जी.ए.टी.ई. के माध्यम से सीट नहीं भरती है, तो उसे प्रायोजित अभ्यर्थी से भरा जा सकेगा।

(5) शासकीय कन्या पॉलीटेक्निक संस्थाओं की संपूर्ण सीटें केवल महिला उम्मीदवारों के लिये ही आरक्षित है।

5 सीटों का आरक्षण :- संस्थाओं में प्रवेश के लिए उपलब्ध सीटों पर आरक्षण ऐसा होगा जैसा कि समय-समय पर इस संबंध में राज्य शासन द्वारा अधिसूचित किया जाए। आरक्षित सीटों के बटवारे की जानकारी काउंसिलिंग के समय वेबसाइट पर दी जायेगी। विभिन्न वर्ग एवं प्रवर्ग हेतु आरक्षण की व्यवस्था यथा संभव ब्रांचवार/संस्थावार की जायेगी। आरक्षण की व्यवस्था निर्धारित प्रतिशत के आधार पर सर्वप्रथम ब्रांचवार की जायेगी परंतु इससे यदि संस्थावार आरक्षण असंतुलित होता है तो इसे यथासंभव संतुलित करने के लिये ब्रांचवार आरक्षण में फेरबदल किया जा सकता है।

5.1 उर्ध्वार आरक्षण

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रवर्गों के लिए :-

शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालयों एवं पॉलीटेक्निक संस्थाओं, शासकीय विश्वविद्यालयीन, स्वशासी-स्ववित्तीय तथा निजी संस्थाओं में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (क्रीमी लेयर को छोड़ कर) प्रवर्गों के लिए क्रमशः 12, 32 एवं 14 प्रतिशत सीटों पर आरक्षण का प्रावधान किया गया है, शेष 42 प्रतिशत सीटें अनारक्षित रहेंगी।

छ.ग. राजपत्र में जारी अधिसूचना क्रमांक एफ 9-02/2012/तक.शि./42 दिनांक 19 फरवरी 2013 के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2013-14 से निजी गैर-अनुदान प्राप्त तकनीकी शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश के प्रयोजन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग (क्रीमी लेयर को छोड़ कर) के अभ्यर्थियों के लिए पाठ्यक्रमवार कुल स्वीकृत सीटों का क्रमशः 12 प्रतिशत, 32 प्रतिशत एवं 14 प्रतिशत सीटें आरक्षित रखी जायेगी। किसी विशेष वर्ग के लिए आरक्षित सीटें रिक्त रहने पर, उन सीटों को शासकीय संस्थाओं में प्रचलित नियम के अनुसार अन्य या अनारक्षित वर्ग से भरा जायेगा। अल्पसंख्यक संस्थाओं के मामले में, निर्धारित 50 प्रतिशत अल्पसंख्यक सीटों में आरक्षण नहीं रहेगा परंतु शेष सीटों के लिए उपरोक्तानुसार आरक्षण रहेगा।

इन अनारक्षित सीटों पर मेरिट के आधार पर किसी भी प्रवर्ग (एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी./अनारक्षित) का अभ्यर्थी प्रवेश पा सकता है। यदि किसी एस.सी./एस.टी. अथवा ओ.बी.सी. प्रवर्ग के छात्र को मेरिट के आधार पर अनारक्षित सीट मिलती है तो उसे अनारक्षित में ही समायोजित किया जायेगा एवं आरक्षित सीट को यथावत रहने दिया जायेगा।

ऐसा अभ्यर्थी जो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अथवा अन्य पिछड़ा वर्ग (क्रीमी लेयर को छोड़ कर) प्रवर्ग में होने संबंधी पात्रता का दावा करता है, उसे समय-समय पर छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा अधिसूचित आरक्षण संबंधी नियमों एवं निर्देशों में विहित सक्षम अधिकारी (अनुविभागीय अधिकारी) द्वारा जारी किया गया स्थायी जाति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। अस्थायी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर आरक्षित श्रेणी में प्रवेश की पात्रता नहीं रहेगी तथापि मेरिट के आधार पर अनारक्षित सीट पर प्रवेश की पात्रता रहेगी।

टीप:- (अ) विभिन्न आरक्षित प्रवर्गों में से अभ्यर्थी केवल एक ही प्रवर्ग में आरक्षण का दावा कर सकता है।

(ब) जिस प्रवर्ग में प्रवेश हेतु दावा किया जा रहा है, उम्मीदवार को उससे संबंधित प्रमाण-पत्र इस प्रवेश नियम में दिये गये निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

(स) उम्मीदवार द्वारा प्रवर्ग तथा वर्ग में आरक्षण हेतु विकल्प प्रस्तुत करने के बाद उसमें परिवर्तन नहीं किया जावेगा।

5.2 क्षैतिज आरक्षण

‘सैनिक वर्ग’ ‘स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वर्ग’ एवं ‘निःशक्तता से बाधित वर्ग’ के अभ्यर्थियों के लिये :-

- (1) शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालयों एवं पॉलीटेक्निक संस्थाओं में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की सीटों में प्रत्येक प्रवर्ग (एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी.) हेतु आरक्षित सीटों एवं अनारक्षित सीटों के विरुद्ध पुनः ‘सैनिक’, ‘स्वतंत्रता संग्राम सेनानी’ एवं निःशक्तता से बाधित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए क्रमशः 5, 3 एवं 3 प्रतिशत सीटें आरक्षित होंगी। स्वशासी-स्ववित्तीय संस्थाओं एवं शासकीय विश्वविद्यालय संस्थाओं में केवल निःशक्तता से बाधित अभ्यर्थी के लिये ही 3 प्रतिशत सीटों का आरक्षण है। ऐसी आरक्षित सीटों का ब्यौरा काउंसिलिंग के समय दिया जाएगा। निजी संस्थाओं में क्षैतिज आरक्षण का प्रावधान नहीं होगा।
- (2) एम.ई./एम.टेक., एम.फार्मसी, एम.बी.ए. पाठ्यक्रमों के लिए शासकीय संस्थाओं/शासकीय विश्वविद्यालय संस्थाओं में केवल निःशक्तता से बाधित अभ्यर्थियों के लिये 3 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था होगी।
- (3) लेटरल एण्ट्री के माध्यम से द्वितीय वर्ष में प्रवेश के लिए क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था नहीं रहेगी।

5.2.1 सैनिक वर्ग

सैनिक वर्ग में, प्रतिरक्षा कर्मचारियों के रूप में सेवा कर चुके भूतपूर्व सैनिक, तथा ऐसे प्रतिरक्षा कर्मचारी जो सेवा के दौरान स्थाई रूप से निःशक्तता से बाधित हो गये हों अथवा जिनकी सेवा के दौरान मृत्यु हो चुकी हो, शामिल हैं। इस वर्ग के अंतर्गत प्रवेश हेतु दावा करने वाले उम्मीदवार को इस प्रवेश नियम में दिये गये निर्धारित प्रारूप-3 (अ) में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी अथवा ऑफिसर कमांडिंग द्वारा जारी इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। भूतपूर्व सैनिक से तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जो भारत सरकार रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गयी भूतपूर्व सैनिक की परिभाषा के अंतर्गत आता है। इसके अतिरिक्त अभ्यर्थी को प्रारूप-6 में छत्तीसगढ़ का वास्तविक निवासी प्रमाणपत्र भी जमा करना होगा।

जो भूतपूर्व सैनिक स्थायी रूप से छत्तीसगढ़ में व्यवस्थापित हो गये हैं उन्हें प्रवेश नियम के प्रारूप-3 (ब) में प्रमाण-पत्र जमा करना होगा।

छत्तीसगढ़ के बाहर पदस्थ छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासी प्रतिरक्षा कार्मिक की संतान होने के कारण प्रवेश का दावा करने वाले अभ्यर्थी को प्रारूप-3 (स) एवं प्रारूप-6 दोनों प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे।

प्रवेश की तिथि के पूर्व से छत्तीसगढ़ में पदस्थ प्रतिरक्षा कार्मिक की संतान होने के फलस्वरूप प्रवेश का दावा करने वाले अभ्यर्थी को तत्संबंधी प्रमाण-पत्र प्रारूप-6 में प्रस्तुत करना होगा। किसी अभ्यर्थी की सैनिक वर्ग के अंतर्गत पात्रता के संबंध में किसी संदेह अथवा विवाद की स्थिति में जिला सैनिक कल्याण बोर्ड, छत्तीसगढ़ द्वारा दिया गया निर्णय अंतिम होगा।

टीप: (1) होमगार्ड, पुलिस, सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक््युरिटी फोर्स आदि जो सैनिक की परिभाषा में नहीं आते, सैनिक वर्ग में प्रवेश हेतु पात्र नहीं होंगे।

- (2) छत्तीसगढ़ राज्य में पदस्थ/कार्यरत सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स के कार्मिकों अथवा छत्तीसगढ़ में नक्सलवादी गतिविधियों के दौरान सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स के शहीद हो गये कार्मिकों को भी सैनिक वर्ग के समान मानते हुये उनकी संतानों को भी इस संबंध में सक्षम अधिकारी से प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर सैनिक वर्ग के अंतर्गत प्रवेश की पात्रता होगी।

5.2.2 स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वर्ग :-

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वर्ग में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की उन संतानों एवं पौत्रों/पौत्रियों/नाती/नातीनों को प्रवेश की पात्रता होगी जो नियम 6.2 के अनुसार छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासी होने की शर्त पूर्ण करते हैं।

इस नियम के प्रयोजन के लिए स्वतंत्रता संग्राम सेनानी से अभिप्रेत है वह व्यक्ति जिसका नाम छत्तीसगढ़ के किसी जिले के कलेक्टर कार्यालय में संधारित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की पंजी/सूची में दर्ज है।

अथवा

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी से तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से भी है जिनका नाम अविभाजित मध्यप्रदेश के किसी भी जिले (भले ही वे वर्तमान मध्यप्रदेश के जिले हों) के कलेक्टर में रखी गयी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की सूची में पंजीकृत है। परंतु इस संवर्ग के अंतर्गत आरक्षण का लाभ छत्तीसगढ़ शासन के शासकीय सेवक, उसकी पत्नी/पति एवं उसकी पुत्र/पुत्री को ही दिया जावेगा, जिनके पिता/माता अथवा दादा/दादी का नाम अविभाजित मध्यप्रदेश के किसी भी जिले (भले ही वे वर्तमान मध्यप्रदेश के जिले हों) की स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की सूची में पंजीकृत है।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वर्ग के अंतर्गत प्रवेश हेतु आवेदन करने वाले अभ्यर्थी को छत्तीसगढ़ के संबंधित जिले के कलेक्टर से प्रारूप-4 में प्रमाण-पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत करना होगा। केवल संबंधित कलेक्टर द्वारा अथवा उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी डिप्टी कलेक्टर से अन्यून स्तर के राजस्व अधिकारी, द्वारा जारी किया गया प्रमाण-पत्र ही इस संबंध में एक मात्र वैध प्रमाण-पत्र होगा।

5.2.3 निःशक्तता से बाधित अभ्यर्थियों हेतु आरक्षण

ऐसे निःशक्त अभ्यर्थी जिनकी निःशक्तता 40 प्रतिशत या अधिक है एवं जो **नियम 6.2** के अनुसार छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासी होने की शर्त को पूर्ण करते हों उनके लिये शासकीय संस्था, शासकीय विश्वविद्यालय तथा स्वशासी स्ववित्तीय संस्थाओं की स्वीकृत सीटों में 3 प्रतिशत सीटों का क्षेत्रीय आरक्षण प्रत्येक प्रवर्ग अनारक्षित, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, व पिछड़ा वर्ग (*क्रीमी लेयर* को छोड़ कर) में प्रवर्गवार उपलब्ध रहेगा। यदि किसी ब्रांच में इस क्षेत्रीय आरक्षण के विरुद्ध निःशक्त अभ्यर्थी के अनुपलब्ध होने पर सीट रिक्त रहती है तो इस सीट को उसी प्रवर्ग के बिना वर्ग में परिवर्तित किया जा सकेगा। ऐसी आरक्षित सीटों का ब्यौरा काउंसिलिंग के समय दिया जाएगा। निःशक्तजनों को माइनिंग इंजीनियरिंग में प्रवेश की पात्रता नहीं है।

टिप्पणी: इन सीटों के विरुद्ध प्रवेश का दावा करने वाले अभ्यर्थी को :-

- (1) जिला चिकित्सा मंडल द्वारा जारी निःशक्तजन का प्रमाण-पत्र एवं
- (2) अधीक्षक भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, निःशक्तजन हेतु व्यावसायिक पुनर्वास केन्द्र, दाना गोदाम मोटर स्टेन्ड, नेपियर टाउन, जबलपुर द्वारा जारी इस आशय का पात्रता प्रमाण-पत्र कि वह संबंधित पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए उपयुक्त है, प्रस्तुत करने होंगे। (दोनों प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक हैं।)
- (3) यदि किसी निःशक्तता से बाधित अभ्यर्थी को मेरिट के आधार पर अनारक्षित की सीट मिल रही हो तो भी उसे पुनर्वास केन्द्र का प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य है, ताकि यह पता चल सके अभ्यर्थी किस ब्रांच में प्रवेश के लिये उपयुक्त है।

5.2.4 महिला अभ्यर्थी हेतु आरक्षण

शासकीय इंजीनियरिंग एवं पॉलीटेक्निक महाविद्यालयों, शासकीय विश्वविद्यालयीय तथा स्वशासी स्ववित्तीय संस्थाओं की सीटों में प्रत्येक प्रवर्ग (एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी./अनारक्षित) के अंतर्गत महिला अभ्यर्थियों के प्रवेश हेतु 30 प्रतिशत सीटों का प्रवर्गवार आरक्षण उपलब्ध रहेगा। ऐसी आरक्षित सीटों का ब्यौरा काउंसिलिंग के समय दिया जाएगा। राज्य के कन्या पॉलीटेक्निकों की सभी सीटें कन्याओं हेतु आरक्षित हैं। प्रत्येक संस्था में महिला अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण यथासंभव संस्थावार एवं ब्रांचवार होगा। माइनिंग शाखा में महिला अभ्यर्थियों को प्रवेश की पात्रता नहीं होगी। किसी भी प्रवर्ग के अंतर्गत महिला अभ्यर्थी उपलब्ध न होने पर उसी प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। निजी संस्थाओं में महिला अभ्यर्थियों हेतु आरक्षण नहीं है।

5.2.5 बिना वर्ग

जो अभ्यर्थी ठीक पूर्ववर्ती चारों वर्गों में से किसी भी वर्ग के लिए आरक्षित सीट के विरुद्ध प्रवेश का या तो दावा न करता हो अथवा अर्हता न रखता हो अथवा अपेक्षित प्रमाण-पत्र अपेक्षित रीति में प्रस्तुत करने में असफल रहे उसे उसके संबंधित प्रवर्ग के अंतर्गत 'बिना वर्ग' का अभ्यर्थी माना जायेगा एवं उसे प्रवर्ग की ओपन सीट के विरुद्ध प्रवेश की पात्रता रहेगी।

5.2.6 आरक्षण हेतु आबंटन का क्रम :- काउंसिलिंग के समय विभिन्न उर्ध्वाधर एवं क्षेत्रीय आरक्षित सीटों के आबंटन का क्रम निम्नानुसार रहेगा।

- (1) उर्ध्वाधर आरक्षण :- सबसे पहले अनारक्षित सीटों को भरा जायेगा एवं यदि किसी आरक्षित श्रेणी (एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी.) के अभ्यर्थी को मेरिट के आधार पर अनारक्षित श्रेणी की सीट आबंटित होती है तो उसे अनारक्षित सीट ही दी जायेगी एवं यह सीट आरक्षित श्रेणी से कम नहीं की जायेगी।
- (2) क्षेत्रीय आरक्षण :- इस प्रक्रिया में सबसे पहले वर्ग विशेष जैसे सैनिक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, निःशक्तता से बाधित, महिला आदि आरक्षित सीट का आबंटन किया जायेगा, जब तक कि क्षेत्रीय आरक्षण का कोटा पूरा न हो जाये। तत्पश्चात् बिना वर्ग के अभ्यर्थियों का उसी प्रवर्ग में आबंटन किया जायेगा।
- (3) उर्ध्वाधर आरक्षण के पश्चात् शेष बच गई अनारक्षित सीट के किसी वर्ग विशेष जैसे सैनिक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, निःशक्तता से बाधित अभ्यर्थियों के लिये आरक्षित सीट को मेरिट के आधार पर आरक्षित प्रवर्ग जैसे एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी. के उसी वर्ग के अभ्यर्थी को पहले आबंटित की जा सकती है।
- (4) आरक्षित प्रवर्ग की सीट जो क्षेत्रीय आरक्षण के कारण सैनिक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, निःशक्तता से बाधित अभ्यर्थियों के लिये आरक्षित हैं, यदि इन वर्ग के अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होते हैं, तो इन वर्ग के सीटों को उसी प्रवर्ग के बिना वर्ग के अभ्यर्थी को मेरिट के आधार पर आबंटित किया जायेगा। इसे अन्य आरक्षित श्रेणी के आरक्षित वर्ग के लिये समायोजित नहीं किया जायेगा।

टीप : विभिन्न वर्ग एवं प्रवर्ग हेतु आरक्षण की व्यवस्था यथा संभव ब्रांचवार/संस्थावार की जायेगी। आरक्षण की व्यवस्था सर्वप्रथम ब्रांचवार की जायेगी परंतु इससे यदि संस्थावार आरक्षण असंतुलित होता है तो इसे यथासंभव संतुलन करने के लिये ब्रांचवार आरक्षण में फेरबदल किया जा सकता है। सीट कम होने के कारण यह आवश्यक नहीं कि हर प्रवर्ग/वर्ग को हर ब्रांच की सीट मिले।

5.3 जम्मू एवं कश्मीर राज्य के विस्थापित वर्ग-

- (1) जम्मू एवं कश्मीर राज्य के विस्थापित व्यक्ति के पुत्र/पुत्रियों के लिये शासकीय संस्थाओं, शासकीय विश्वविद्यालयीन संस्थाओं, स्वशासी-स्ववित्तीय एवं निजी क्षेत्र के संस्थाओं के विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु एक-एक सीट प्रवेश क्षमता के अतिरिक्त आरक्षित है। इस वर्ग के अंतर्गत प्रवेश हेतु आवेदन करने वाले अभ्यर्थी को संबंधित जिले के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) से निर्धारित प्रारूप-9 में प्रमाण-पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत करना होगा। जम्मू एवं कश्मीर राज्य के विस्थापितों के पुत्र/पुत्रियों को छत्तीसगढ़ राज्य का स्थानीय निवासी होना अनिवार्य नहीं है।
- (2) इसी वर्ग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ सेवा के ऐसे अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पुत्र/पुत्रियों को, जिनकी पदस्थापना जम्मू एवं कश्मीर राज्य में आतंकवादी गतिविधियों के नियंत्रण में रही हो और जिनके पुत्र/पुत्रियों ने जम्मू एवं कश्मीर राज्य से अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण की हो, को भी आरक्षित स्थानों के अंतर्गत प्रवेश की पात्रता होगी। ऐसे अभ्यर्थियों को निर्धारित प्रारूप-10 में प्रमाण-पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत करना होगा।
- (3) किसी संस्था/ब्रांच के लिये एक ही तिथि को एक से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर प्रथमतः छत्तीसगढ़ में विस्थापित अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जायेगी। तत्पश्चात् अन्य राज्य में विस्थापित को सीट रिक्त रहने पर प्रवेश दिया जा सकेगा, परंतु अलग-अलग तिथि होने पर जो “**पहले आओ पहले पाओ**” के आधार पर सीट आवंटित किया जायेगा।
- (4) जम्मू एवं कश्मीर राज्य के विस्थापितों को जम्मू एवं कश्मीर राज्य के लिये आरक्षित सीटों पर प्रवेश हेतु सामान्य प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होना अनिवार्य नहीं है। अर्हकारी परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर प्रवेश होंगे।
- (5) अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली के पत्र क्र. No. F.5-84/2012/AICTE/J&K/(Seats)/1016 दिनांक 8 नवंबर 2012 के दिशा निर्देशानुसार जम्मू कश्मीर के निवासी छात्रों के प्रवेश के लिए प्रत्येक स्नातक इंजीनियरिंग संस्था में दो-दो सांख्येत्तर सीट उपलब्ध रहेगी। इस हेतु भी प्रवेश परीक्षा की आवश्यकता नहीं होगी एवं प्रवेश 12 वीं की मेरिट के आधार पर होगा।

6 प्रवेश हेतु पात्रता की शर्तें :-

6.1 शैक्षणिक अर्हता

(अ) विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि एवं उनमें प्रवेश की पात्रता के लिए शैक्षणिक अर्हता निम्नानुसार तालिका में दी गई है।

पाठ्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम की अवधि (वर्ष में)	शैक्षणिक अर्हता
बैचलर आफ इंजीनियरिंग/टेक्नोलॉजी (बी.ई./बी.टेक.)	4	अनिवार्य विषयों के रूप में भौतिकी एवं गणित सहित रसायन/जैवप्रौद्योगिकी/बायोलॉजी/तकनीकी व्यावसायिक विषय में से किसी एक विषय के साथ (10+2) शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत 12वीं की परीक्षा माध्यमिक शिक्षा मंडल, छत्तीसगढ़ अथवा मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। तीनों मुख्य विषयों यथा भौतिकी, गणित एवं रसायन/जैवप्रौद्योगिकी/बायोलॉजी/तकनीकी व्यावसायिक विषय को मिलाकर अनारक्षित वर्ग के लिये कम से कम 45 प्रतिशत एवं छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा निःशक्तता से बाधित के लिये 40 प्रतिशत प्राप्तांकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। तीनों मुख्य विषयों यथा भौतिकी, गणित एवं रसायन/जैवप्रौद्योगिकी/बायोलॉजी/तकनीकी व्यावसायिक विषय में संबंधित बोर्ड के नियमानुसार (सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रश्नपत्रों में) पृथक-पृथक उत्तीर्ण होना भी अनिवार्य है।

		टीप :- तकनीकी व्यावसायिक विषयों की सूची परिशिष्ट- '1' की अनुसूची- 'ए' में दी गई है।
बैचलर आफ इंजीनियरिंग (बायोटेक्नोलॉजी)	4	<p>अनिवार्य विषयों के रूप में भौतिकी एवं बायोलॉजी/गणित तथा रसायन/जैवप्रौद्योगिकी/तकनीकी व्यावसायिक विषय में से किसी एक विषय के साथ (10+2) शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत 12वीं की परीक्षा माध्यमिक शिक्षा मंडल, छत्तीसगढ़ अथवा मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय से से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।</p> <p>तीनों मुख्य विषयों यथा भौतिकी, बायोलॉजी/गणित एवं रसायन/जैवप्रौद्योगिकी/तकनीकी व्यावसायिक विषय को मिलाकर अनारक्षित वर्ग के लिये कम से कम 45 प्रतिशत एवं छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा निःशक्तता से बाधित के लिये 40 प्रतिशत प्राप्तांको के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।</p> <p>तीनों मुख्य विषयों यथा भौतिकी, बायोलॉजी/गणित एवं रसायन/जैवप्रौद्योगिकी/तकनीकी व्यावसायिक विषय में संबंधित बोर्ड के नियमानुसार (सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रश्नपत्रों में) पृथक-पृथक उत्तीर्ण होना भी अनिवार्य है।</p> <p>टीप :- तकनीकी व्यावसायिक विषयों की सूची परिशिष्ट- '1' की अनुसूची- 'ए' एवं अनुसूची- 'बी' में दी गई है।</p>
बैचलर आफ आर्किटेक्चर (बी.आर्क)	5	<p>गणित विषय के साथ (10+2) शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत 12वीं की परीक्षा माध्यमिक शिक्षा मंडल, छत्तीसगढ़ अथवा मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय से अनारक्षित वर्ग के लिये कम से कम 50 प्रतिशत एवं छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा निःशक्तता से बाधित के लिये 45 प्रतिशत प्राप्तांको के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।</p> <p>अथवा</p> <p>10वीं के पश्चात गणित विषय सहित तीन वर्ष का डिप्लोमा मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय से अनारक्षित वर्ग के लिये कम से कम 50 प्रतिशत एवं छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा निःशक्तता से बाधित के लिये 45 प्रतिशत प्राप्तांको के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।</p> <p>पृथक से आर्किटेक्चर में एप्टीट्यूट टेस्ट (नाटा) क्वालीफाइड होना अनिवार्य है।</p>
मास्टर आफ इंजीनियरिंग /टेक्नोलॉजी (एम.ई./एम.टेक.)	2	<p>मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से इंजीनियरिंग की संबंधित शाखा में चार वर्षीय स्नातक उपाधि (बी.ई./बी.टेक.) अथवा समुचित विषय में समकक्ष उपाधि अनारक्षित वर्ग के लिये कम से कम 50 प्रतिशत प्राप्तांको एवं छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा निःशक्तता से बाधित के लिये 45 प्रतिशत प्राप्तांको के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।</p> <p>टीप:- 1. बी.ई. के समकक्ष उपाधि जैसे मानव संसाधन विकास मंत्रालय से मान्यता प्राप्त संस्था से मान्यता प्राप्त ए.एम.आई.ई. आदि की उपाधि को भी प्रवेश हेतु पात्र माना जाएगा।</p> <p>2. समुचित एम.ई./एम.टेक. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग की संबंधित शाखा एवं समुचित विषय की सूची परिशिष्ट- '2' में दी गई है।</p>
मास्टर आफ फार्मैसी (एम.फार्मैसी)	2	<p>मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से फार्मैसी में चार वर्षीय स्नातक उपाधि अथवा समकक्ष उपाधि अनारक्षित वर्ग के लिये कम से कम 55 प्रतिशत प्राप्तांको एवं छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा निःशक्तता से बाधित के लिये 50 प्रतिशत प्राप्तांको के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।</p>
मास्टर आफ बिसनेस एडमिनिश्ट्रेशन (एम.बी.ए.)	2	<p>मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से किसी मान्यता प्राप्त संकाय/विषय में तीन वर्षीय स्नातक उपाधि अथवा पाँच वर्षीय इंटीग्रेटेड उपाधि अनारक्षित वर्ग के लिये कम से कम 50 प्रतिशत प्राप्तांको एवं छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा निःशक्तता से बाधित के लिये 45 प्रतिशत प्राप्तांको के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।</p>

मास्टर आफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (एम.सी.ए.)	3	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से किसी मान्यता प्राप्त संकाय/विषय में तीन वर्षीय स्नातक उपाधि अनारक्षित वर्ग के लिये कम से कम 50 प्रतिशत प्राप्तांकों एवं छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा निःशक्तता से बाधित के लिये 45 प्रतिशत प्राप्तांकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है । 10+2 (12वीं) अथवा स्नातक स्तर पर एक विषय गणित के रूप से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है । गणित से संबंधित गणित के अन्य विषय जैसे :- बिजनेस गणित, बेसिक गणित आदि मान्य नहीं किये जायेंगे। तथापि गणित के उच्च विषय जैसे उच्च गणित मान्य किये जायेंगे। जो अभ्यर्थी किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बी.सी.ए. पाठ्यक्रम उत्तीर्ण है, उनके लिये गणित विषय की अनिवार्यता से छूट है ।
डिप्लोमा (इंजीनियरिंग)	3	छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर के (10+2) शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत 10वीं कक्षा की परीक्षा अथवा किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड द्वारा संचालित अन्य समकक्ष परीक्षा (हाई स्कूल परीक्षा गणित एवं विज्ञान विषय के साथ) सामान्य वर्ग के लिये कम से कम 35 प्रतिशत प्राप्तांकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा निःशक्तता से बाधित के लिये केवल उत्तीर्ण होना अनिवार्य है । 10 वीं कक्षा की परीक्षा गणित एवं विज्ञान विषय में पृथक-पृथक उत्तीर्ण होना अनिवार्य है ।
बैचलर आफ फार्मसी एवं डिप्लोमा इन फार्मसी (बी. फार्मसी एवं डी. फार्मसी)	4/2	चार वर्षीय बी.फार्मसी के डिग्री पाठ्यक्रम एवं द्विवर्षीय डिप्लोमा फार्मसी पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु अनिवार्य विषयों के रूप में भौतिकी एवं रसायन सहित गणित/ जैवप्रौद्योगिकी/बायोलॉजी विषय में से किसी एक विषय के साथ (10+2) शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत 12वीं की परीक्षा माध्यमिक शिक्षा मंडल, छत्तीसगढ़ अथवा मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय से तीनों मुख्य विषयों को मिलाकर अनारक्षित वर्ग के लिये कम से कम 45 प्रतिशत एवं छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं निःशक्तता से बाधित के लिये 40 प्रतिशत प्राप्तांकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है । तीनों मुख्य विषयों में जैसे:- भौतिकी, रसायन एवं गणित/जैवप्रौद्योगिकी/बायोलॉजी विषय में संबंधित बोर्ड के नियमानुसार (सैध्दातिक एवं प्रायोगिक प्रश्नपत्रों में) पृथक-पृथक उत्तीर्ण होना अनिवार्य है । बी.फार्मसी में प्रवेश के लिए 12वीं में एक विषय अंग्रेजी होना अनिवार्य है ।
डिप्लोमा इन कास्ट्यूम डिजाइन एवं ड्रेस मेकिंग एवं डिप्लोमा इन इन्टीरियर डिजाइन एवं डेकोरेशन (सी.डी.डी.एम. /आई.डी.डी.)	3	माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर छत्तीसगढ़ के (10+2) शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत 10वीं परीक्षा या अन्य मान्यता प्राप्त बोर्ड से समकक्ष परीक्षा अनारक्षित वर्ग के लिए न्यूनतम 35 प्रतिशत प्राप्तांकों के साथ उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं निःशक्तता से बाधित के लिये केवल उत्तीर्ण होना अनिवार्य है ।
डिप्लोमा इन मार्डन आफिस मेनेजमेंट (एम.ओ.एम.)	3	माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर छत्तीसगढ़ के (10+2) शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत 12वीं परीक्षा या अन्य मान्यता प्राप्त बोर्ड से समकक्ष परीक्षा किसी भी विषय समूह में अनारक्षित वर्ग के लिए न्यूनतम 35 प्रतिशत प्राप्तांकों के साथ उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं निःशक्तता से बाधित के लिये केवल उत्तीर्ण होना अनिवार्य है ।
डिप्लोमा इन आर्किटेक्चर (डी. आर्किटेक्चर)	3	माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर छत्तीसगढ़ के (10+2) शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत 12वीं परीक्षा या अन्य मान्यता प्राप्त बोर्ड से समकक्ष परीक्षा भौतिक, रसायन तथा गणित विषय समूह में अनारक्षित वर्ग के लिए न्यूनतम 35 प्रतिशत प्राप्तांकों के साथ उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं निःशक्तता से बाधित के लिये केवल उत्तीर्ण होना अनिवार्य है । भौतिक, रसायन एवं गणित विषय में पृथक-पृथक उत्तीर्ण होना अनिवार्य है ।

बेचलर आफ इंजीनियरिंग (लेटरल एण्ट्री द्वितीय वर्ष)	3	मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय/संस्थानों से सामान्य वर्ग के लिए 45 प्रतिशत प्राप्तांकों (एग्रीगेट) के साथ अथवा अंतिम वर्ष में 45 प्रतिशत प्राप्तांकों के साथ त्रिवर्षीय डिप्लोमा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं निःशक्तता से बाधित के लिये 40 प्रतिशत प्राप्तांकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। अथवा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों/संस्थानों से सामान्य वर्ग के लिए 45 प्रतिशत प्राप्तांकों (एग्रीगेट) के साथ अथवा अंतिम वर्ष में 45 प्रतिशत प्राप्तांकों के साथ बी.एस.सी. उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं निःशक्तता से बाधित के लिये 40 प्रतिशत प्राप्तांकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त 12 वीं में गणित विषय में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। बी.एस.सी. अभ्यर्थियों को तभी प्रवेश दिया जाएगा जब डिप्लोमा अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं हों। टीप :- डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की संबंधित शाखा एवं समुचित विषय की सूची परिशिष्ट- '3' में दी गई है।
बेचलर आफ फार्मेसी (लेटरल एण्ट्री द्वितीय वर्ष)	3	मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय/संस्थानों से सामान्य वर्ग के लिए 45 प्रतिशत प्राप्तांकों (एग्रीगेट) के साथ अथवा अंतिम वर्ष में 45 प्रतिशत प्राप्तांकों के साथ द्विवर्षीय फार्मेसी डिप्लोमा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं निःशक्तता से बाधित के लिये 40 प्रतिशत प्राप्तांकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग एवं डिप्लोमा इन कास्ट्र्यूम डिजाईन एवं ड्रेस मेकिंग (लेटरल एण्ट्री द्वितीय वर्ष)	2	अभ्यर्थी को मान्यता प्राप्त संस्थान/बोर्ड से 12वीं की कक्षा विज्ञान (गणित अनिवार्य) विषय के साथ अथवा 12वीं की कक्षा विज्ञान विषय एवं समुचित व्यावसायिक/तकनीकी विषय के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। अथवा अभ्यर्थी को मान्यता प्राप्त संस्थान/बोर्ड से 10 वीं उत्तीर्ण एवं समुचित तकनीकी ट्रेड के साथ 2 वर्षीय आई.टी.आई. प्रमाण-पत्र (NCVT/SCVT से जारी) परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। टीप :- समुचित व्यावसायिक/तकनीकी विषय एवं समुचित तकनीकी ट्रेड की सूची परिशिष्ट- '4' में दी गई है।
मास्टर आफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (एम.सी.ए.) (लेटरल एण्ट्री द्वितीय वर्ष)	2	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से तीन वर्षीय स्नातक उपाधि बेचलर आफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) अथवा बीएससी (इनफरमेशन टेक्नोलॉजी/कम्प्यूटर साईंस) अनारक्षित वर्ग के लिये कम से कम 50 प्रतिशत प्राप्तांकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा निःशक्तता से बाधित के लिये 45 प्रतिशत प्राप्तांकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। 10+2 (12वीं) अथवा स्नातक स्तर पर एक विषय गणित के रूप से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। गणित से संबंधित गणित के अन्य विषय जैसे :- बिजनेस गणित, बेसिक गणित आदि मान्य नहीं किये जायेंगे। तथापि गणित के उच्च विषय जैसे उच्च गणित मान्य किये जायेंगे।

(ब) ऐसे अभ्यर्थी जो मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/बोर्ड से इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किसी भी इंजीनियरिंग ब्रांच/आर्किटेक्चर में अनारक्षित वर्ग के लिये कम से कम 45 प्रतिशत एवं छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा निःशक्तता से बाधित के लिये 40 प्रतिशत प्राप्तांकों के साथ उत्तीर्ण है, वे भी बी.ई. पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पात्र हैं।

(स) यदि अर्हकारी परीक्षा (12वीं) की उत्तीर्ण की है परंतु अभ्यर्थी अनिवार्य विषयों में से किसी एक या अधिक विषयों में अनुत्तीर्ण हो तो वह प्रवेश हेतु पात्र नहीं माना जायेगा, तथापि यदि वह संबंधित बोर्ड के नियमानुसार यदि कृपांक से भी उत्तीर्ण घोषित किया गया हो तो वह प्रवेश हेतु पात्र माना जायेगा।

- (द) किसी वैधानिक संस्थान/राज्य शासन अथवा न्यायालय के आदेश से उपरोक्त शैक्षणिक योग्यता में परिवर्तन हो सकता है। ऐसा होने पर इसकी सूचना पृथक से प्रकाशित की जायेगी।
- (क) उपरोक्त योग्यताएँ काउंसिलिंग/प्रवेश की तिथि से पूर्व पूर्ण होना आवश्यक है। काउंसिलिंग की तिथि को अनुत्तीर्ण अथवा पूरक/कम्पार्टमेंट अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग की पात्रता नहीं है। यदि वह निर्धारित परीक्षा, प्रवेश की अंतिम तिथि से पूर्व, उत्तीर्ण कर लेता है तो वह प्रवेश हेतु पात्र माना जायेगा।
- (ख) यदि अभ्यर्थी संबंधित बोर्ड द्वारा कृपांक से उत्तीर्ण है, तो वह प्रवेश हेतु उत्तीर्ण होने की पात्रता को पूरा करता है। परंतु अर्हकारी/मेरिट अंक की गणना करते समय कृपांक के अंक को नहीं जोड़ा जायेगा।
- (ग) अन्य राज्य के अभ्यर्थियों के संबंध में छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी शैक्षणिक संस्था (प्रवेश में आरक्षण) अधिनियम 2012 में निहित प्रावधानों के अनुसार नियम लागू होंगे।
- (घ) अन्य राज्य के आरक्षित श्रेणी (जिनके पास छ.ग. राज्य का निवासी प्रमाण पत्र है, परंतु छ.ग. राज्य के आरक्षित वर्ग का होने संबंधी जाति प्रमाण पत्र नहीं है) में आने वाले अभ्यर्थियों के लिए कोई आरक्षण अथवा योग्यता में छूट की व्यवस्था नहीं है। इन्हें अनारक्षित श्रेणी में मान्य करते हुवे नियमानुसार प्रवेश दिया जाएगा।
- (ङ) अर्हकारी परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण प्रस्तुत करना अभ्यर्थी का उत्तरदायित्व होगा।
- (च) छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा अन्य राज्य के किसी भी विश्वविद्यालय/शैक्षणिक संस्था को छत्तीसगढ़ राज्य में ऑफ कैम्पस/स्टडी सेन्टर तथा फ्रेन्चाईसी चलाने की अनुमति प्रदान नहीं की गयी है। इस तरह संचालित ऑफ कैम्पस/स्टडी सेन्टर तथा फ्रेन्चाईसी व्यवस्था अंतर्गत प्राप्त शैक्षणिक अर्हताएं राज्य में इजीनियरिंग, टेक्नालॉजी, आर्किटेक्चर एवं फार्मेसी में पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए मान्य नहीं है।
- (छ) दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को एम.सी.ए./एम.बी.ए. पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने के लिए दस्तावेज परीक्षण के समय दस्तावेज परीक्षण अधिकारी के समक्ष संबंधित विश्वविद्यालय एवं ऑफ सेन्टर/स्टडी सेन्टर की विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली से मान्यता संबंधी प्रमाण प्रस्तुत करने पर ही प्रवेश हेतु मान्य किया जावेगा।
- (ज) इजीनियरिंग, टेक्नालॉजी, आर्किटेक्चर एवं फार्मेसी में डिप्लोमा/स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु दूरस्थ शिक्षा/ओपन स्कूल के माध्यम से 10वीं/12वीं उत्तीर्ण अभ्यर्थी प्रवेश के लिये पात्र होंगे।
- (झ) इजीनियरिंग, टेक्नालॉजी, आर्किटेक्चर एवं फार्मेसी में प्रवेश हेतु दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से डिप्लोमा उत्तीर्ण अभ्यर्थी स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिये पात्र नहीं होंगे। इसी प्रकार दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्र नहीं होंगे।

6.2 छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासी होने की आवश्यकता

छत्तीसगढ़ का स्थानीय निवासी छत्तीसगढ़ राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किये निर्देशों के अंतर्गत यथापरिभाषित होगा एवं नीचे अन्यथा वर्णित को छोड़ सभी अभ्यर्थियों को तहसीलदार, अतिरिक्त तहसीलदार अथवा नायब तहसीलदार अथवा वरिष्ठतर अन्य सक्षम राजस्व अधिकारी द्वारा समय-समय पर राज्य शासन के निर्देशों के तहत जारी छत्तीसगढ़ का स्थानीय निवासी संबंधी प्रमाण पत्र (प्रारूप-5) के साथ जमा किया जाना अनिवार्य है। इस प्रमाण पत्र में प्रकरण क्रमांक, जारी करने की तिथि व न्यायालय/कार्यालय की सील, जारीकर्ता अधिकारी के नाम व पद का स्पष्ट उल्लेख होना आवश्यक है।

छत्तीसगढ़ शासन के सार्वजनिक उपक्रमों, अर्धशासकीय निकायों तथा छत्तीसगढ़ के स्थानीय शासनों के सेवारत/सेवानिवृत्त कार्मिकों के राज्य में या राज्य के बाहर पदस्थ होने पर तथा प्रारूप-6 में प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर उनकी संतानों को स्थानीय निवासी मान कर प्रवेश की पात्रता होगी।

भारत सरकार के कार्मिकों, अखिल भारतीय सेवाओं के सदस्यों, भारत सरकार के सार्वजनिक उपक्रमों के कार्मिकों एवं केन्द्रीय अर्धशासकीय निकायों में कार्यरत कार्मिकों के छत्तीसगढ़ राज्य में इन नियमों के तहत आवेदन पत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि के पूर्व पदस्थ होने पर तथा प्रारूप-7 में प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर उनकी संतानों को भी छत्तीसगढ़ का स्थानीय निवासी मान कर प्रवेश की पात्रता होगी।

भारत शासन/छत्तीसगढ़ शासन द्वारा स्वीकृत पुनर्व्यवस्थापन योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में व्यवस्थापित पिता/माता के सन्तान भी छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासी माने जायेंगे। ऐसे पुनर्व्यवस्थापित पिता/माता की सन्तानों को प्रारूप-8 में प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।

6.2.1 अभिभावक की परिभाषा :-

अभिभावकों के संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि किसी भी अभ्यर्थी के अभिभावक से तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जो संबंधित जिला मजिस्ट्रेट (डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट) की राय में आवेदक के पिता और माता दोनों की मृत्यु के बाद से आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की तिथि तक उसका अथवा उसकी अचल संपत्ति का अथवा दोनों का वास्तविक संरक्षक/नियंत्रक हो । अभिभावक होने के संबंध में सक्षम न्यायालय से तदाशय का आदेश प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा । यदि अभ्यर्थी के पिता जीवित न हो परंतु माता जीवित हों तो माता को ही अभ्यर्थी का स्वाभाविक अभिभावक माना जाएगा और अन्य किसी व्यक्ति को अभिभावक के रूप में मान्यता नहीं होगी ।

6.2.2 दत्तक संतान के विषय में स्पष्टीकरण :-

दत्तक संतानों के संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि यदि कोई आवेदक अनारक्षित अथवा आरक्षित प्रवर्ग में दत्तक संतान के आधार पर प्रवेश चाहे तो उसे दत्तक संतान होने के संबंध में समाधान कारक प्रमाण प्रस्तुत करना होगा जो प्रवेश के लिये आवेदन की निर्धारित अंतिम तिथि के कम से कम पांच वर्ष पूर्व निष्पादित वैध दत्तकनामा (अॅडॉप्शन डीड) होगा, दत्तकनामा तब तक मान्य नहीं किया जाएगा जब तक उसकी संपुष्टि विद्यालय/महाविद्यालय के अभिलेख तथा उच्च माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक अथवा गत पांच वर्षों में आवेदक द्वारा उत्तीर्ण किसी परीक्षा के प्रमाण-पत्र से नहीं हो जाती है । इन नियमों के अंतर्गत प्रवेश की पात्रता के लिये उपर वर्णित अभिलेख में दर्ज आवेदक के पिता/माता का नाम ही केवल मान्य होगा । इसके अतिरिक्त अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के दत्तक आवेदकों के मामलों में आवश्यक होगा कि ऐसे आवेदक गोद लिये जाने के पूर्व भी क्रमशः अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के ही रहें हों । ऐसे आवेदक जो मूलतः अन्य जाति के हों तथा उन्हें किन्हीं अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों ने गोद लिया हो, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के आवेदक को प्राप्त सुविधा एवं लाभ के पात्र नहीं होंगे ।

6.3 आयु सीमा:-

(अ) विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रथम/द्वितीय वर्ष में प्रवेश हेतु शैक्षणिक वर्ष की 01 जुलाई को आयु सीमा निम्नानुसार निर्धारित की जाती है:

पाठ्यक्रम का नाम	अनारक्षित के लिए उच्चतम आयु सीमा	छत्तीसगढ़ के एस.सी., एस.टी., ओ.बी.सी., निःशक्तता से बाधित एवं महिला के लिए उच्चतम आयु सीमा
बी.ई./बी.फार्मेसी./बी.आर्क.	30 वर्ष	33 वर्ष
डिप्लोमा इंजीनियरिंग/एम.ओ.एम./सी.डी.डी.एम./आई.डी.डी./आर्किटेक्चर	30 वर्ष	33 वर्ष
डिप्लोमा फार्मेसी	कोई सीमा नहीं	कोई सीमा नहीं
एम.सी.ए.	32 वर्ष	35 वर्ष
एम.ई./एम.टेक./एम.फार्म./एम.बी.ए.	40 वर्ष	43 वर्ष
बी.ई./बी.फार्मा. लेटरल (द्वितीय वर्ष)	32 वर्ष	35 वर्ष
डिप्लोमा इंजीनियरिंग, डिप्लोमा सी.डी.डी.एम. लेटरल (द्वितीय वर्ष)	30 वर्ष	33 वर्ष
एम.सी.ए. लेटरल (द्वितीय वर्ष)	32 वर्ष	35 वर्ष

टीप :- पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय से एम.सी.ए. पाठ्यक्रमों हेतु अनारक्षित वर्ग के लिए उच्चतम आयु सीमा 27 वर्ष, छ.ग. के एस.सी., एस.टी., ओ.बी.सी., महिला एवं निःशक्तता से बाधित के लिए उच्चतम आयु सीमा 30 वर्ष निर्धारित की जाती है।

(ब) आयु सीमा का यह बंधन किसी भी राज्य सरकार/भारत सरकार के मंत्रालय/कार्यालय तथा उनके द्वारा नियंत्रित संस्थाओं द्वारा प्रायोजित व अनुशासित प्रत्याशियों, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित अथवा किसी विदेश सरकार द्वारा अनुशासित विदेश से अध्ययन हेतु भेजे गये छात्रों पर लागू नहीं होगा ।

7. प्रवेश प्रक्रिया

7.1 सामान्य प्रवेश परीक्षा/अर्हकारी परीक्षा-

विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा आयोजित की जायेगी और/अथवा सामान्य प्रवेश परीक्षा के परिणाम को प्रवेश हेतु मेरिट के निर्धारण के लिए उपयोग किया जायेगा। कुछ पाठ्यक्रमों में प्रवेश अर्हकारी परीक्षा के प्राप्तांको के मेरिट के आधार पर दिया जायेगा। प्रवेश में पात्रता के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा में न्यूनतम प्राप्तांक का प्रावधान किया जा सकता है। छ.ग. के आरक्षित प्रवर्ग के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम प्राप्तांक में 5 प्रतिशत की छूट रहेगी। विवरण निम्नानुसार है :-

पाठ्यक्रम का नाम	प्रवेश/अर्हकारी परीक्षा का नाम	अनारक्षित के लिए न्यूनतम प्राप्तांक (%)	छत्तीसगढ़ के एस.सी.,एस.टी.,ओ.बी.सी. एवं नि:शक्तता से बाधित के लिए न्यूनतम प्राप्तांक (%)
बैचलर आफ इंजीनियरिंग (बी.ई./बी. टेक.)	पी.ई.टी.	10	5
	जे.ई.ई. मेन	10	5
बी.ई.(बायोटेक्नोलॉजी)	पी.ई.टी./पी.पी.एच.टी.	10	5
बैचलर आफ फार्मेसी (बी.फार्म)	पी.पी.एच.टी	10	5
बैचलर आफ आर्किटेक्चर (बी.आर्क)	आर्किटेक्चर में एपीट्यूड टेस्ट नाटा	क्वालीफाईड इन नाटा	क्वालीफाईड इन नाटा
मास्टर आफ इंजीनियरिंग/टेकनालॉजी (एम.ई./एम.टेक.)	जी.ए.टी.ई.	0 से अधिक	0 से अधिक
मास्टर आफ फार्मेसी (एम.फार्मा.)	जी.पी.ए.टी.	0 से अधिक	0 से अधिक
मास्टर आफ बिजनेस एडमिनिश्ट्रेशन (एम.बी.ए.)	सी.एम.ए.टी./ एम.ए.टी/सी.ए.टी./ एक्स.ए.टी./ए.टी.एम.ए.	0 से अधिक	0 से अधिक
मास्टर आफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (एम.सी.ए.)	प्री-एम.सी.ए. परीक्षा	10	5
	एन.आई.एम.सी.ई.टी.(नीमसेट)	10	5
डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग	पी.पी.टी.	0 से अधिक	0 से अधिक
	10वीं	35	उत्तीर्ण प्राप्तांक
डिप्लोमा इन फार्मेसी (डी.फार्मा.)	पी.पी.एच.टी.	0 से अधिक	0 से अधिक
	12वीं (पी.सी.एम./पी.सी.बी.)	45	40
डिप्लोमा इन मार्डन आफिस मैनेजमेंट (एम.ओ.एम.)	12वीं	35	उत्तीर्ण प्राप्तांक
डिप्लोमा इन कास्ट्यूम डिजाईन एवं ड्रेस मेकिंग एवं डिप्लोमा इन इनटीरियर डिजाईन एवं डेकोरेशन	10वीं	35	उत्तीर्ण प्राप्तांक
डिप्लोमा इन आर्किटेक्चर (डी.आर्क.)	12वीं (पी.सी.एम.)	35	उत्तीर्ण प्राप्तांक
बैचलर आफ इंजीनियरिंग (लेटरल एण्ट्री द्वितीय वर्ष)	डिप्लोमा इंजीनियरिंग/ बी.एस. सी.(गणित विषय के साथ)	45	40
बैचलर आफ फार्मेसी (लेटरल एण्ट्री द्वितीय वर्ष)	डिप्लोमा फार्मेसी	45	40

डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग एवं डिप्लोमा इन सी.डी.डी.एम. (लेटरल एंट्री द्वितीय वर्ष)	आई.टी.आई./12वीं	उत्तीर्ण प्राप्तांक	उत्तीर्ण प्राप्तांक
मास्टर आफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (एम.सी.ए.) (लेटरल एंट्री द्वितीय वर्ष)	बैचलर आफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) अथवा बीएससी (इनफरमेशन टेक्नोलॉजी/कम्प्यूटर साइंस)	50	45

टीप:-

1. किसी वैधानिक संस्थान/राज्य शासन अथवा न्यायालय के आदेश से उपरोक्त शैक्षणिक योग्यता में परिवर्तन हो सकता है। ऐसा होने पर इसकी सूचना पृथक से प्रकाशित की जायेगी।
2. बायोटेक्नोलॉजी की एक तिहाई सीट पी.पी.एच.टी. एवं दो तिहाई सीट पी.ई.टी. के माध्यम से भरी जायेगी। यदि पी.ई.टी. के आधार पर भरी जाने वाली सीट खाली रह जाती है तो उसे पी.पी.एच.टी. के आधार पर भरी जा सकेगी। उसी प्रकार यदि पी.पी.एच.टी. के आधार पर भरी जाने वाली सीट खाली रह जाती है तो उसे पी.ई.टी. के आधार पर भरी जा सकेगी।
3. प्रायोजित अभ्यर्थियों के लिए एम.ई./एम.टेक. में प्रवेश हेतु जी.ए.टी.ई. की बाध्यता नहीं है।
4. प्रवेश परीक्षा का वैध स्कोर कार्ड होना अनिवार्य है।

7.2 प्रवेश के लिए मेरिट का निर्धारण

विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए मेरिट का निर्धारण सामान्य प्रवेश परीक्षा अथवा अर्हकारी परीक्षा के मेरिट के आधार पर निम्नानुसार किया जायेगा।

पाठ्यक्रम का नाम	अर्हकारी/प्रवेश परीक्षा का नाम	मेरिट का आधार
बैचलर आफ इंजीनियरिंग (बी.ई.)	पी.ई.टी.	पी.ई.टी. की परीक्षा में अभ्यर्थियों की गणित, भौतिक, रसायन शास्त्र विषयों में प्राप्त सकल अंकों के आधार पर प्रवर्गवार मेरिट सूचियां तैयार की जावेगी। समान कुलांक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की मेरिट विषयों की महत्ता के निम्नलिखित क्रम में उनके प्राप्तांकों को आधार बनाकर निश्चित की जाएगी - (1) गणित, (2) भौतिकी, (3) अधिक उम्र वाले छात्र को प्राथमिकता दी जाएगी। उम्र भी समान होने की स्थिति में बारहवीं में अधिक अंक (कुल पूर्णांक में से) प्राप्त अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जाएगी।
	जे.ई.ई. मेन	जैसा केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल, नई दिल्ली अथवा सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया जाए।
बैचलर आफ फार्मसी (बी.फार्मा.)	पी.पी.एच.टी.	पी.पी.एच.टी. की परीक्षा में अभ्यर्थियों की भौतिकी, रसायन, गणित/बायोलॉजी विषयों में प्राप्त सकल अंकों के आधार पर प्रवर्गवार मेरिट सूचियां तैयार की जावेगी। समान कुलांक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की मेरिट विषयों की महत्ता के निम्नलिखित क्रम में उनके प्राप्तांकों को आधार बनाकर निश्चित की जाएगी - (1) रसायन (2) भौतिकी, (3) अधिक उम्र वाले छात्र को प्राथमिकता दी जाएगी। उम्र भी समान होने की स्थिति में बारहवीं में अधिक अंक (कुल पूर्णांक में से) प्राप्त अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जाएगी।
बी.ई. बायोटेक्नोलॉजी	पी.ई.टी./पी.पी.एच.टी.	पी.ई.टी./पी.पी.एच.टी. की परीक्षा में अभ्यर्थियों की गणित/बायोलॉजी, भौतिक, रसायन विषयों में प्राप्त सकल अंकों के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जावेगी। समान कुलांक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की मेरिट विषयों की महत्ता के निम्नलिखित क्रम में उनके प्राप्तांकों को आधार बनाकर निश्चित की जाएगी - (1) गणित/रसायन, (2) भौतिकी, (3) अधिक उम्र वाले छात्र को प्राथमिकता दी जाएगी। उम्र भी समान होने की स्थिति में बारहवीं में अधिक अंक (कुल पूर्णांक में से) प्राप्त अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जाएगी।

बेचलर ऑफ आर्किटेक्चर (बी.आर्क.)	एपीट्यूड टेस्ट नाटा एवं 12वीं	आर्किटेक्चर में एपीट्यूड परीक्षा तथा 12वीं के परीक्षा में प्राप्तांको का प्रत्येक का 50-50 प्रतिशत अधिभार लेते हुये मेरिट सूची तैयार की जायेगी। समान कुलांक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की मेरिट विषयों की महत्ता के निम्नलिखित क्रम में उनके प्राप्तांकों को आधार बनाकर निश्चित की जाएगी - (1) गणित, (2) अधिक उम्र वाले छात्र को प्राथमिकता दी जाएगी। उम्र भी समान होने की स्थिति में बारहवीं में अधिक अंक (कुल पूर्णांक में से) प्राप्त अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जाएगी।
मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग/ टेक्नोलॉजी (एम.ई./एम.टेक.)	जी.ए.टी.ई	निर्धारित संबंधित/समुचित विषय में जी.ए.टी.ई. परीक्षा में प्राप्तांक के प्रतिशत/स्कोर के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाएगी। प्रवेश परीक्षा में समान मेरिट/प्राप्तांक होने की स्थिति में पहले अर्हकारी परीक्षा में अधिक प्राप्तांक वाले को तथा यह भी समान होने पर फिर अधिक उम्र वाले अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जाएगी।
मास्टर ऑफ फॉर्मैसी (एम.फॉर्मैसी)	जी.पी.ए.टी.	जी.पी.ए.टी. के प्राप्तांक के प्रतिशत/स्कोर के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाएगी। प्रवेश परीक्षा में समान मेरिट/प्राप्तांक होने की स्थिति में पहले अर्हकारी परीक्षा में अधिक प्राप्तांक वाले को तथा यह भी समान होने पर फिर अधिक उम्र वाले अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जाएगी।
मास्टर आफ बिजनेस मेनेजमेंट एडमिनिसट्रेशन (एम.बी.ए.)	सी.एम.ए.टी./ एम.ए.टी./ सी.ए.टी./ एक्स.ए.टी./ ए.टी.एम.ए.	दो मेरिट सूची तैयार की जायेगी। 1. सी.एम.ए.टी के प्राप्तांक के प्रतिशत/स्कोर के आधार पर। 2. एम.ए.टी/सी.ए.टी./एक्स.ए.टी./ए.टी.एम.ए. को समतुल्य मानते हुये इनके प्राप्तांक के प्रतिशत/स्कोर के आधार पर। प्रवेश में प्राथमिकता मेरिट सूची (1) के अभ्यर्थियों को सी.एम.ए.टी के आधार पर दी जायेगी, इसके पश्चात सीट रिक्त रहने पर मेरिट सूची (2) के अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। प्रवेश परीक्षा में समान मेरिट/प्राप्तांक होने की स्थिति में पहले अर्हकारी परीक्षा में अधिक प्राप्तांक वाले को तथा यह भी समान होने पर फिर अधिक उम्र वाले अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जाएगी।
मास्टर आफ कम्प्युटर एप्लीकेशन (एम.सी.ए.)	प्री-एम.सी.ए./ एन.आई.एम. सी.ई.टी.	प्री-एम.सी.ए. परीक्षा में प्राप्त अंको के प्रतिशत के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जायेगी। समान प्राप्तांक होने पर निम्न क्रमानुसार मेरिट का निर्धारण किया जावेगा - (1) गणित (2) कम्प्यूटर अवेयरनेस (3) एनाटिकल एबिलिटी एंड लॉजिकल रीजनिंग (4) जनरल अवेयरनेस के प्राप्तांक (5) अधिक उम्र के अभ्यर्थी को प्रवेश में प्राथमिकता दी जायेगी। उम्र भी समान होने की स्थिति में स्नातक में अधिक अंक (कुल पूर्णांक में से) प्राप्त अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जाएगी। निमसेट के मामले में जैसा परीक्षा प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया जाए।
डिप्लोमा (इंजीनियरिंग)	पी.पी.टी./10वीं	पी.पी.टी. की परीक्षा में अभ्यर्थियों की गणित एवं विज्ञान विषयों में प्राप्त सकल अंकों के आधार पर प्रवर्गवार मेरिट सूचियां तैयार की जावेगी। समान कुलांक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की मेरिट विषयों की महत्ता के निम्नलिखित क्रम में उनके प्राप्तांकों को आधार बनाकर निश्चित की जाएगी - (1) गणित, (2) अधिक उम्र वाले अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जाएगी। उम्र भी समान होने की स्थिति में दसवीं में अधिक अंक (कुल पूर्णांक में से) प्राप्त अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जाएगी।

डिप्लोमा फार्मेसी	पी.पी.एच.टी. /12वीं	पी.पी.एच.टी./12वीं में भौतिकी, रसायन, गणित/बायोलाजी में प्राप्त अंको के प्रतिशत के आधार पर मेरिट सूची, तैयार की जावेगी। समान कुलांक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की मेरिट विषयों की महत्ता के निम्नलिखित क्रम में उनके प्राप्तांकों को आधार बनाकर निश्चित की जाएगी -(1) रसायन, (2) भौतिकी, (3) अधिक उम्र वाले अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रवेश में प्राथमिकता पीपीएचटी को दी जायेगी। तत्पश्चात सीट रिक्त रहने पर 12वीं (पी.सी.एम./पी.सी.बी. के प्राप्तांक) के कुल अंको के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा।
डिप्लोमा एम.ओ.एम.	12वीं	अभ्यर्थियों के अर्हकारी परीक्षा 12वीं के समस्त विषयों के केवल सैद्धांतिक विषयों के प्राप्तांकों के प्रतिशत के आधार पर (प्रायोगिक प्राप्तांक को सम्मिलित नहीं किया जायेगा) प्रवर्गवार संयुक्त मेरिट सूची बनायी जायेगी। समान प्रतिशत प्राप्त अभ्यर्थियों की योग्यता क्रम का निर्धारण करने के लिए उनके द्वारा प्रथम अर्हकारी परीक्षा में कुल प्राप्तांकों (सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक को मिलाकर) का प्रतिशत, द्वितीय अधिक उम्र के अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जावेगी।
डिप्लोमा सी.डी.डी.एम. /आई.डी.डी.	10वीं	अभ्यर्थियों के 10वीं कक्षा या अन्य समकक्ष परीक्षा के कुल प्राप्तांको के प्रतिशत के आधार पर प्रवर्गवार मेरिट सूची बनायी जायेगी। समान प्रतिशत होने की स्थिति में अधिक उम्र के अभ्यर्थी को प्रवेश में प्राथमिकता दी जायेगी।
डिप्लोमा आर्किटेक्चर	12वीं (पीसीएम के साथ)	अभ्यर्थियों के 12वीं कक्षा में भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र तथा गणित विषयों के संयुक्त प्राप्तांको के प्रतिशत के आधार पर प्रवर्गवार मेरिट सूची बनायी जायेगी। समान प्राप्तांक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की मेरिट विषयों की महत्ता के निम्नलिखित क्रम में उनके प्राप्तांकों को आधार बनाकर निश्चित की जाएगी -(1) गणित, (2) भौतिकी, (3) कुल प्राप्तांक, (4) अधिक उम्र वाले अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जाएगी।
बेचलर आफ इंजीनियरिंग (लेटरल एण्ट्री द्वितीय वर्ष)	डिप्लोमा इंजीनियरिंग/ बी.एस.सी.	अभ्यर्थियों के अर्हकारी परीक्षा के अंतिम वर्ष के समस्त विषयों के केवल सैद्धांतिक प्रश्नपत्रों के प्राप्तांको के प्रतिशत के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जावेगी। समान कुलांक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की मेरिट विषयों की महत्ता के निम्नलिखित क्रम में उनके प्राप्तांकों को आधार बनाकर निश्चित की जाएगी :- (1) समस्त विषयों के सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक विषयों को मिलाकर कुल प्राप्तांक (2) अधिक उम्र के अभ्यर्थी को प्राथमिकता बी.एस.सी. अभ्यर्थियों को तभी प्रवेश दिया जाएगा जब डिप्लोमा अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं हों।
बेचलर आफ फार्मेसी (लेटरल एण्ट्री द्वितीय वर्ष)	डिप्लोमा फार्मेसी	अभ्यर्थियों के अर्हकारी परीक्षा के अंतिम वर्ष के समस्त विषयों के केवल सैद्धांतिक प्रश्नपत्रों के प्राप्तांको के प्रतिशत के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जावेगी। समान कुलांक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की मेरिट विषयों की महत्ता के निम्नलिखित क्रम में उनके प्राप्तांकों को आधार बनाकर निश्चित की जाएगी :- (1) समस्त विषयों के सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक विषयों को मिलाकर कुल प्राप्तांक (2) अधिक उम्र के अभ्यर्थी को प्राथमिकता
डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग एवं डिप्लोमा इन सी.डी.डी.एम. (लेटरल एण्ट्री द्वितीय वर्ष)	आई.टी.आई. /12वीं	(1) आई. टी. आई. के आधार पर:- आई. टी. आई. प्रमाण पत्र के सामाजिक अध्ययन को छोड़कर शेष तकनीकी विषयों के कुल प्राप्तांकों (प्रेक्टिकल एवं सेसनल सहित) के प्रतिशत के आधार पर मेरिट सूची तैयार किया जाएगा। (2) 12वीं के आधार पर:- 12वीं कक्षा के विज्ञान/गणित एवं/अथवा समुचित व्यावसायिक/तकनीकी विषयों (हिन्दी एवं अंग्रेजी को छोड़कर) के कुल प्राप्तांकों (प्रेक्टिकल एवं सेसनल सहित) के प्रतिशत के आधार पर मेरिट सूची तैयार किया जाएगा। 12वीं एवं आई. टी. आई. को एक समान मानते हुए एकजाई मेरिट सूची तैयार की जाएगी। समान प्राप्तांको वाले अभ्यर्थियों में से अधिक उम्र के अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जाएगी।

मास्टर आफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (एम.सी.ए.) (लेटरल एण्ट्री द्वितीय वर्ष)	बीसीए अथवा बीएससी (इनफरमेशन टेक्नोलॉजी/कम्प्यूटर साईंस)	अभ्यर्थियों के अर्हकारी परीक्षा के अंतिम वर्ष के समस्त विषयों के केवल सैद्धांतिक प्रश्नपत्रों के प्राप्तांको के प्रतिशत के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जावेगी। समान कुलांक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की मेरिट विषयों की महत्ता के निम्नलिखित क्रम में उनके प्राप्तांकों को आधार बनाकर निश्चित की जाएगी :- (1) समस्त विषयों के सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक विषयों को मिलाकर कुल प्राप्तांक (2) अधिक उम्र के अभ्यर्थी को प्राथमिकता
---	---	---

7.3 नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थित पॉलीटेक्निक के लिए विशेष प्रावधान :-

सरगुजा, बस्तर, बीजापुर, नारायणपुर, कांकेर, कोरिया, जशपुर, सुकमा, रामानुजगंज, कोंडागांव, सूरजपुर जिले स्थित शासकीय पालीटेक्निक एवं दंतेवाड़ा स्थित एन.एम.डी.सी. डी.ए.व्ही. पालीटेक्निक में प्रवेश हेतु संबंधित उसी जिले के अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

(अ) डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु :-

- (1) पहले संबंधित जिलों के स्थानीय निवासी अभ्यर्थियों को पीपीटी के प्राप्तांको के आधार पर संस्था स्तर पर प्रवेश दिया जाएगा।
- (2) तत्पश्चात् सीट रिक्त रहने पर संबंधित जिलों के स्थानीय निवासी अभ्यर्थियों को 10 वीं के प्राप्तांको के मेरिट के आधार पर संस्था स्तर पर प्रवेश दिया जायेगा।
- (3) तत्पश्चात् सीट रिक्त रहने पर संबंधित संभाग के स्थानीय निवासी अभ्यर्थियों को पीपीटी के प्राप्तांको के आधार पर संस्था स्तर पर प्रवेश दिया जाएगा।
- (4) तत्पश्चात् सीट रिक्त रहने पर संबंधित संभाग के स्थानीय निवासी अभ्यर्थियों को 10 वीं के प्राप्तांको के मेरिट के आधार पर संस्था स्तर पर दिया जायेगा।
- (5) फिर भी सीट रिक्त रहने पर पीपीटी के आधार पर केंद्रीय आनलाइन काउंसिलिंग द्वारा सीट भरी जायेगी।

स्पष्टीकरण :- संस्था द्वारा आवेदन पीपीटी एवं 10वीं दोनों के आधार पर मंगाये जायेंगे एवं मेरिट सूची एक साथ ही वर्गवार बनाई जायेगी जिसमें पीपीटी को प्राथमिकता दी जायेगी। किसी सीट के लिए किसी वर्ग के पीपीटी के अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होते हैं तो उसे उसी वर्ग के 10वीं के अभ्यर्थी से भरा जाना चाहिए तत्पश्चात् ही सीट का परिवर्तन किया जाना चाहिए।

(ब) डिप्लोमा इन कास्ट्यूम डिजाईन एवं ड्रेस मेकिंग, डिप्लोमा इन इन्टीरियर डिजाईन एवं डेकोरेशन, डिप्लोमा इन मार्डन आफिस मैनेजमेंट एवं डिप्लोमा इन आर्किटेक्चर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु :-

- (1) पहले संबंधित जिलों के स्थानीय निवासी अभ्यर्थियों को अर्हकारी परीक्षा के आधार पर संस्था स्तर पर प्रवेश दिया जाएगा।
- (2) तत्पश्चात् सीट रिक्त रहने पर संबंधित संभाग के स्थानीय निवासी अभ्यर्थियों को अर्हकारी परीक्षा के प्राप्तांको के मेरिट के आधार पर संस्था स्तर पर प्रवेश दिया जायेगा।
- (3) तत्पश्चात् सीट रिक्त रहने पर अर्हकारी परीक्षा के आधार पर केंद्रीय ऑनलाइन काउंसिलिंग द्वारा सीट भरी जायेगी।

8 प्रवेश प्रक्रिया

8.1 काउंसिलिंग समिति:- विभिन्न संस्थाओं/पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग समिति द्वारा आनलाइन काउंसिलिंग करायी जायेगी। काउंसिलिंग समिति का गठन सक्षम प्राधिकारी/राज्य शासन द्वारा निम्नानुसार किया जायेगा :-

- (1) अध्यक्ष - संचालक, तकनीकी शिक्षा, छत्तीसगढ़
- (2) सदस्य - अतिरिक्त संचालक/संयुक्त संचालक/उप संचालक, तकनीकी शिक्षा, छत्तीसगढ़
- (3) सदस्य - प्राचार्य/प्राध्यापक, शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, छत्तीसगढ़
- (4) सदस्य - प्राचार्य, शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, छत्तीसगढ़
- (5) सदस्य - छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई द्वारा नामित प्रतिनिधि
- (6) सदस्य - संयुक्त संचालक/उप संचालक (वित्त), तकनीकी शिक्षा, छत्तीसगढ़
- (7) सदस्य सचिव - अतिरिक्त संचालक/संयुक्त संचालक/उप संचालक (अकादमिक शाखा), तकनीकी शिक्षा, छत्तीसगढ़

8.2 काउंसिलिंग कार्यक्रम की सूचना:- विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग की तिथियों की सूचना राज्य/राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्रों में प्रकाशित की जाएगी एवं तकनीकी शिक्षा संचालनालय की अधिकृत वेबसाइट www.cgdteraipur.ac.in तथा संबंधित पाठ्यक्रम के आनलाईन काउंसिलिंग की वेबसाइट में दी जायेगी। इस संबंध में अभ्यर्थियों को अलग से कोई सूचना नहीं भेजी जायेगी।

8.3 काउंसिलिंग फीस:- विभिन्न पाठ्यक्रमों के आनलाईन काउंसिलिंग प्रक्रिया में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को ऐसा शुल्क ऐसी रीति से जमा करनी होगी, जैसा शासन द्वारा निर्धारित की जाये।

8.4 ऑनलाईन काउंसिलिंग की प्रक्रिया:- प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ होने के पूर्व ऑनलाईन काउंसिलिंग की प्रक्रिया तकनीकी शिक्षा संचालनालय की वेब साइट पर प्रकाशित की जावेगी।

8.4.1 सामान्य निर्देश :-

1. सीटों का आबंटन केन्द्रीय आनलाईन काउंसिलिंग प्रक्रिया के द्वारा किया जायेगा। पूर्ण प्रक्रिया के संबंध में एक सूचना पत्रिका संचालनालय के वेबसाइट www.cgdteraipur.ac.in में तथा संबंधित पाठ्यक्रम के आनलाईन काउंसिलिंग हेतु तैयार किये गये वेबसाइट में प्रकाशित की जायेगी।
2. आबंटन से पूर्व अभ्यर्थियों को दस्तावेजों का परीक्षण दस्तावेज परीक्षण केन्द्र में कराना अनिवार्य है। इसके बिना आबंटन हेतु विचार नहीं किया जायेगा। दस्तावेज परीक्षण केन्द्र में अभ्यर्थी को स्वयं उपस्थित होना अनिवार्य है, पालक को साथ में लाना अनिवार्य नहीं है।
3. काउंसिलिंग के समय अभ्यर्थियों के दस्तावेजों के परीक्षण के लिए प्रदेश के विभिन्न इंजीनियरिंग/पॉलीटेक्निक संस्थानों को दस्तावेज परीक्षण केन्द्रों (डीवीसी) के रूप में कार्य करने हेतु चयनित/नियुक्त किया जायेगा।
4. अभ्यर्थी को दस्तावेज परीक्षण केन्द्र में सत्यापन हेतु आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे।
5. अभ्यर्थी द्वारा संबंधित आरक्षित प्रवर्ग/वर्ग का निर्धारित दस्तावेज परीक्षण केन्द्र में प्रस्तुत करने में विफल होने पर उस अभ्यर्थी का प्रवर्ग/वर्ग को अनारक्षित/ओपन में परिवर्तित कर दिया जायेगा।
6. दस्तावेज परीक्षण केन्द्र में मूल प्रमाण पत्र जमा नहीं किया जाना है। इंटरनेट से प्राप्त की गयी अंकसूची/प्रमाण पत्र भी दस्तावेज परीक्षण हेतु स्वीकार किये जायेंगे।
7. यदि अभ्यर्थी ने विकल्प तो भरा है परंतु दस्तावेजों का परीक्षण नहीं कराया है तो अभ्यर्थी का प्रकरण आबंटन हेतु विचार नहीं किया जायेगा।
8. दस्तावेज परीक्षण के समय भी यदि अभ्यर्थी को लगता है कि अभ्यर्थी ने विकल्प गलत भर दिये हैं अथवा उनके क्रम अलग दे दिया है तो अपने आवेदन को दस्तावेज परीक्षण केन्द्र द्वारा ऑनलाईन कन्फर्म करने से पूर्व अभ्यर्थी इसमें बदलाव कर सकते हैं। जो अंतिम बदलाव होगा वही मान्य होगा। एक बार दस्तावेज परीक्षण केन्द्र द्वारा अभ्यर्थी आवेदन कन्फर्म कर देने के पश्चात् विकल्प में फेरबदल नहीं हो सकता।

8.4.2 सभी अभ्यर्थियों के लिये अनिवार्य दस्तावेज की सूची निम्नानुसार है -

1. 10वीं की अंकसूची अथवा जन्म प्रमाण पत्र।
2. अर्हकारी परीक्षा जैसे- 10वीं/12वीं/स्नातक/डिप्लोमा/आई.टी.आई. में जो लागू हो की अंकसूची।
3. सामान्य प्रवेश परीक्षा जैसे- पी.ई.टी./जे.ई.ई./पी.पी.एच.टी./प्री.एम.सी.ए./नीमसेट/पी.पी.टी./ सी.एम.ए.टी./जी.ए.टी.ई./जी.पी.ए.टी./एम.ए.टी./एक्स.ए.टी./ए.टी.एम.ए./नाटा में जो लागू हो की अंकसूची।
4. छत्तीसगढ़ का मूल निवास प्रमाण पत्र 04 प्रारूपों (प्रारूप क्रमांक - 5, 6, 7 या 8) में से किसी एक प्रासंगिक निर्धारित प्रारूप में।

8.4.3 छत्तीसगढ़ राज्य के आरक्षित प्रवर्ग/वर्ग के लिये अतिरिक्त दस्तावेजों की सूची निम्नानुसार है-

1. छत्तीसगढ़ राज्य के आरक्षित प्रवर्ग के होने के संबंध में स्थायी जाति प्रमाण पत्र।
2. सैनिक वर्ग में आने वाले अभ्यर्थी के लिए सैनिक कल्याण बोर्ड का प्रमाण पत्र प्रारूप 3(अ), 3(ब) या 3(स) में।
3. स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वर्ग में आने वाले अभ्यर्थी के लिए निर्धारित प्रारूप - 4 में कलेक्टर द्वारा जारी प्रमाण पत्र।

4. निःशक्तता से बाधित वर्ग में आने वाले अभ्यर्थी के लिए विकलांगता प्रमाण पत्र (1) जिला मेडिकल बोर्ड से एवं (2) अधीक्षक, भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, निःशक्तजन हेतु संचालित व्यावसायिक पुनर्वास केन्द्र, नेपियर टाउन, जबलपुर से उपयुक्तता प्रमाण पत्र।
5. बी.पी.एल. परिवार में आने वाले अभ्यर्थी के लिए सक्षम अधिकारी से जारी पालक का बी.पी.एल.कार्ड।

टीप:- इनके अतिरिक्त निम्न दस्तावेजों की आवश्यकता संस्थानों में प्रवेश लेते समय रहती है।

1. आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये आय प्रमाण पत्र
2. पूर्व संस्था से स्थानांतरण प्रमाण पत्र एवं चरित्र प्रमाण पत्र
3. गेप प्रमाण पत्र (यदि अध्ययन में व्यवधान हुआ है तो)
4. माइग्रेसन प्रमाण पत्र (अन्य राज्य के बोर्ड/विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिये)
5. आधार कार्ड

यदि आवेदक के पास स्थायी जाति प्रमाण पत्र नहीं है तो दस्तावेज परीक्षण केन्द्र द्वारा आवेदक का प्रवर्ग एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी. को परिवर्तित कर अनारक्षित कर दिया जायेगा एवं आवेदक का आबंटन अनारक्षित की मेरिट के आधार पर होगा न कि आरक्षित श्रेणी के आधार पर। उसी प्रकार यदि आवेदक के पास सैनिक/स्वतंत्रता संग्राम सेनानी/निःशक्तता से बाधित का प्रमाण पत्र नहीं है तो संबंधित वर्ग को **NIL** में परिवर्तित कर दिया जायेगा एवं तदनुसार आबंटन होगा।

- 8.4.4** यदि अभ्यर्थी दस्तावेज परीक्षण हेतु उपस्थित होने में असमर्थ रहता है या दस्तावेज परीक्षण के समय आवश्यक प्रमाण पत्र/दस्तावेज निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत करने में असमर्थ रहता है तो वह अपनी योग्यताक्रमानुसार संस्था/ब्रांच के चयन का अवसर खो देगा तथा बाद में द्वितीय अथवा उच्च चरण में दस्तावेज परीक्षण की अवधि के दौरान आवश्यक दस्तावेज के साथ उपस्थित होने पर उसे सीट आबंटन किया जा सकेगा। ऐसी स्थिति में जिस चरण में वह उपस्थित होगा उसे उस दिन उपलब्ध सीट/संस्था/ब्रांच के आधार पर आबंटन किया जाएगा। यदि अभ्यर्थी काउंसिलिंग की अंतिम चरण के समय भी उपस्थित नहीं होता है तो यह मान लिया जाएगा कि वह किसी भी सीट/संस्था/ब्रांच में प्रवेश लेने का इच्छुक नहीं है और इस प्रकार वह अपने प्रवेश का अधिकार खो देगा।

- 8.4.5 गंभीर बीमारी:-** यदि कोई अभ्यर्थी गंभीर बीमारी या दुर्घटना के कारण अस्पताल में भर्ती होने के कारण नियत तिथि पर दस्तावेज परीक्षण केन्द्र पर उपस्थित रहने में असमर्थ है और वह इस आशय का चिकित्सा प्रमाण-पत्र मुख्य चिकित्सा अधिकारी/सिविल सर्जन/संबंधित चिकित्सालय के प्राधिकृत अधिकारी से प्रमाण पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत करता है, तो उसके पिता/अभिभावक जिन्हें अभ्यर्थी द्वारा अधिकृत किया है, उसके स्थान पर दस्तावेज परीक्षण हेतु सम्मिलित हो सकेंगे। ऐसे अभ्यर्थी द्वारा प्रवेश लेने के उपरांत यदि दस्तावेजों के प्रवेशित संस्था के स्तर पर सत्यापन के समय यदि यह पाया जाता है कि उसके द्वारा गलत जानकारी दी गई है तो उसका प्रवेश निरस्त किया जा सकेगा और संबंधित के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही के लिए विभाग सक्षम होगा।

- 8.4.6** उन संस्थाओं के लिये जिन संस्थाओं में आरक्षण की व्यवस्था है, प्रवेश परीक्षा में प्राप्तकों के आधार पर आरक्षित प्रवर्ग के ऐसे अभ्यर्थी जो अनारक्षित प्रवर्ग की योग्यताक्रम सूची में स्थान प्राप्त करेंगे उनकी गणना अनारक्षित प्रवर्ग में की जाएगी। ऐसे अभ्यर्थी अपनी इच्छानुसार अनारक्षित प्रवर्ग अथवा संबंधित आरक्षित प्रवर्ग के अंतर्गत उपलब्ध संस्था/ब्रांच का चयन मेरिट के आधार पर कर सकेंगे।

- 8.4.7 (अ)** किसी भी आरक्षित प्रवर्ग के अंतर्गत सैनिक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तथा निःशक्तता से बाधित वर्ग में प्रवेश हेतु पात्र अभ्यर्थी उपलब्ध न होने पर रिक्त स्थानों को उसी आरक्षित प्रवर्ग के बिना वर्ग में परिवर्तित कर भरा जाएगा। परंतु अनारक्षित प्रवर्ग के अंतर्गत सैनिक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तथा निःशक्तता से बाधित वर्ग के लिये आरक्षित सीट को मेरिट के आधार पर आरक्षित प्रवर्ग के आने वाले सैनिक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तथा निःशक्तता से बाधित वर्ग के अभ्यर्थी को भी आबंटन किया जायेगा।

- (ब)** किसी भी प्रवर्ग के अंतर्गत प्रवेश हेतु पात्र अभ्यर्थी उपलब्ध न होने पर रिक्त स्थानों को अन्य प्रवर्ग में छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी शैक्षणिक महाविद्यालय (प्रवेश में आरक्षण) अधिनियम, 2012 में निहित प्रावधानों के अनुरूप परिवर्तित कर भरा जाएगा।

8.4.8 एक बार अभ्यर्थी काउंसिलिंग के प्रथम या उच्च चरण में किसी पाठ्यक्रम/संस्था में आबंटन प्राप्त कर लेता है और काउंसिलिंग के अगले चरण होते हैं तो अभ्यर्थी उसमें भाग ले सकता है परंतु अगले चरण में रजिस्ट्रेशन करने पर उसकी वर्तमान सीट पर प्रवेश निरस्त हो जायेगा एवं वह सीट रिक्त सीट में जुड़ जायेगी ।

8.5 छात्र द्वारा प्रवेश निरस्त कराने पर फीस वापसी के नियम -

- (1) काउंसिलिंग के दौरान प्रवेश की अंतिम तिथि से पूर्व अपना प्रवेश रद्द करवाने पर बी.ई., बी./डी.फार्मसी, बी. आर्क, एम.सी.ए., एम.ई./एम.टेक., एम. फार्मसी एवं एम.बी.ए. पाठ्यक्रमों के अभ्यर्थी से रु. 1000/- की तथा डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम, डिप्लोमा इन कास्ट्यूम डिजाईन एवं ड्रेस मेकिंग, डिप्लोमा इन इनटीरियर डिजाईन एवं डेकोरेशन, डिप्लोमा इन मार्डन आफिस मैनेजमेंट एवं डिप्लोमा इन आर्किटेक्चर पाठ्यक्रमों के अभ्यर्थी से रु. 500/- की कटौती करने के पश्चात् शेष राशि संबंधित संस्था द्वारा वापस की जायेगी ।
- (2) प्रवेश की अंतिम तिथि समाप्त होने के पश्चात् प्रवेश निरस्त कराने पर प्रवेश तिथि से निरस्त की तिथि तक शिक्षण शुल्क एवं अन्य शुल्क तथा विकास शुल्क की मासिक आनुपातिक राशि की कटौती संस्था द्वारा की जायेगी एवं शेष राशि अभ्यर्थी को संस्था द्वारा वापस की जायेगी । कौशन मनी की पूरी राशि वापस की जायेगी ।

कटौती की जाने वाली फीस की गणना निम्न फार्मूला से की जायेगी :

Deductible Fees = No. of admitted months * Total fees/ No. of months in a Semester as declared by University

कुल फीस में शिक्षण शुल्क, विकास शुल्क एवं अन्य शुल्क सम्मिलित हैं ।

- (3) प्रवेश निरस्त कराने/होने पर फीस वापसी के मामले में शिकायत प्राप्त होने पर प्रवेश तथा फीस विनियामक समिति के निर्णय/निर्देशों के अनुसार कार्यवाही होगी ।

8.6 आबंटन/प्रवेश के संबंध में विवाद निवारण की शक्ति- आबंटन/प्रवेश के संबंध में किसी प्रकार के विवाद की स्थिति में काउंसिलिंग समिति का निर्णय अंतिम होगा ।

8.7 प्रवेश की अंतिम तिथि : समस्त पाठ्यक्रमों में प्रत्येक अकादमिक सत्र में प्रथम वर्ष/ द्वितीय वर्ष में प्रवेश की अंतिम तिथि सामान्यतः 15 अगस्त निर्धारित की जाती है। किसी न्यायालय, सांविधिक संस्था/शासन के आदेश/अधिसूचना के अनुसार प्रवेश की अंतिम तिथि में परिवर्तन किया जा सकता है।

9. संचालनालय/संस्था द्वारा प्रवेश रद्द करना - यदि यह पाया गया कि कोई अभ्यर्थी किसी संस्था में झूठी/गलत सूचना देकर या सुसंगत तथ्यों को छुपाकर प्रवेश/आबंटन पा लेने में सफल हो गया है या प्रवेश के पश्चात किसी भी समय यह पाया गया कि अभ्यर्थी को किसी दस्तावेज परीक्षण केन्द्र/संस्था की गलती या चूकवश प्रवेश मिल गया है तो अभ्यर्थी को दिया गया प्रवेश संचालनालय/संस्था द्वारा उसके अध्ययनकाल के दौरान रद्द किया जा सकेगा। प्रवेश संबंधी किसी भी विवाद या शंका पर तकनीकी शिक्षा संचालक छत्तीसगढ़ द्वारा दिया गया निर्णय अंतिम होगा ।

10. अभ्यर्थियों के प्रवेश हेतु चयन संबंधी नीतियों के प्रश्नों पर तथा प्रवेश नियमों के अर्थ लगाने संबंधी कोई प्रश्न उपस्थित होने पर छत्तीसगढ़ राज्य शासन का निर्णय अंतिम एवं बंधनकारी होगा ।

11. छत्तीसगढ़ राज्य शासन प्रवेश के किसी भी नियम/प्रक्रिया में किसी भी समय जनहित में आवश्यकतानुसार संशोधन करने का अधिकार अपने पास सुरक्षित रखता है तथा इस तरह किया गया कोई भी संशोधन बंधनकारी होगा ।

12. शिक्षण, विकास, विविध अन्य शुल्क तथा अवधान राशि :

(अ) शासकीय संस्थाओं के लिए :- जैसा शासन द्वारा निर्धारित की जाये।

(ब) स्वशासी स्ववित्तीय तथा निजी संस्थाओं के लिए :- “छत्तीसगढ़ निजी व्यावसायिक शिक्षण संस्था (प्रवेश का विनियमन एवं शुल्क का निर्धारण) अधिनियम 2008” के अंतर्गत गठित की गई “प्रवेश तथा फीस विनियामक समिति” द्वारा प्रस्तावित/अनुशंसित एवं शासन/विश्वविद्यालय द्वारा इस बावत् अधिसूचित शुल्क लागू होगी।

(स) लागू शुल्क संरचना/आदेश की जानकारी वेबसाईट www.cgdteraipur.ac.in एवं काउंसिलिंग की संबंधित वेबसाईट में उपलब्ध रहेगी।

(द) लागू शुल्क को किसी राष्ट्रीय/अधिसूचित बैंक में संस्था के नाम से संचालित खाते में चालान, चेक, डिमांड ड्राफ्ट अथवा अन्य किसी बैंकिंग उपकरण के माध्यम से जमा किया जाना चाहिये। शुल्क को नगद जमा नहीं किया जाना है।

13. ट्यूशन फी वेवहर योजना :- यह योजना एआईसीटीई/यूजीसी/विश्वविद्यालय के दिशा निर्देशानुसार लागू की जायेगी। इस योजना का उद्देश्य वित्तीय रूप से कमजोर मेधावी छात्रों को मेरिट के आधार पर शिक्षण शुल्क में छुट देकर प्रोत्साहन किया जाना है। यह योजना स्नातक एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में लागू होगी। इस योजना का विस्तृत ब्यौरा तथा ट्यूशन फी वेवहर जारी करने की प्रक्रिया कांउसिलिंग के समय वेबसाईट पर अपलोड की जायेगी।

14 रैगिंग

14.1 परिभाषा:- “रैगिंग” से अभिप्रेत है किसी छात्र को मजाक पूर्ण व्यवहार से या अन्य प्रकार से ऐसा कृत्य करने के लिए उत्प्रेरित, बाध्य या मजबूर करना, जिससे उसके मानवीय मूल्यों का हनन या उसके व्यक्तित्व का अपमान या उपहास अभिदर्शित होता हो, या उसे अभित्रास, सदोष अवरोध, सदोष परिरोध या क्षति, या उस पर आपराधिक बल के प्रयोग या सदोष अवरोध, सदोष परिरोध, क्षति या आपराधिक बल प्रयोग कर अभित्रास देते हुए किसी विधि पूर्ण कार्य से प्रविरत करता हो।

14.2 रैगिंग का प्रतिशोध:- किसी शैक्षणिक संस्था का छात्र या तो प्रत्यक्षतः या परोक्ष या अन्य प्रकार से रैगिंग में भाग नहीं लेगा।

14.3 दण्ड:- यदि कोई व्यक्ति रैगिंग के प्रतिशोध के उपबंधों का उल्लंघन करता है तो वह या तो कारावास से जो 05 वर्ष से अधिक नहीं होगी या जुर्माने से जो 5 हजार रुपये से अधिक नहीं होगी या दोनों से दंडित किया जा सकेगा। इस अधिनियम के अधीन प्रत्येक अपराध संज्ञेय, अजमानतीय एवं अप्रशमनीय होगा।

14.4 अपराधों का विचारण :-

इस अधिनियम के अधीन प्रत्येक अपराध का विचारण/निर्णय प्रथम वर्ग न्यायिक दंडाधिकारी द्वारा किया जायेगा।

14.5 छात्र के निष्कासन के लिये नियोग्यता :-

इस अधिनियम के अधीन अन्वेषण या गिरण लंबित होने पर शिक्षण संस्था के प्रधान को, इस अधिनियम के अधीन किसी अपराध के लिये अभियुक्त छात्र को निलंबित करने और शैक्षणिक संस्था परिसर तथा छात्रावास में प्रवेश से वर्जित करने का अधिकार होगा।

किसी शैक्षणिक संस्था का कोई छात्र जो इस अधिनियम के अधीन सिद्धदोष पाया गया हो, शैक्षणिक संस्था से निष्कासन के लिये जिम्मेदार होगा।

ऐसा छात्र जो निष्कासित किया गया हो या अन्य कोई व्यक्ति जो इस अधिनियम के अधीन सिद्धदोष पाया गया हो, को किसी अन्य शैक्षणिक संस्था में राज्य के क्षेत्राधिकार के भीतर तीन वर्ष की अवधि तक प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

15. विद्यार्थियों का स्थानांतरण:-

15.1 एक तकनीकी संस्था से दूसरी तकनीकी संस्था में स्थानांतरण (पॉलीटेक्निक संस्था को छोड़कर):- चूंकि प्रथम वर्ष में तथा लेटरल एण्ट्री के तहत द्वितीय वर्ष में प्रवेश मेरिट के आधार पर कांउसिलिंग द्वारा किया जाता है। अतः एक संस्था से दूसरे संस्था में स्थानांतरण/ब्रॉच परिवर्तन का प्रावधान नहीं है। स्थानांतरण केवल 3/4 वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए तृतीय/पंचम सेमेस्टर में ही रिक्त सीटों की उपलब्धता के आधार पर तथा संबंधित संस्थाओं की अनापत्ति के आधार पर किये जा सकते हैं।

15.2 एक तकनीकी संस्था से दूसरी तकनीकी संस्था में स्थानांतरण (पॉलीटेक्निक संस्थाओं के लिए)

प्रथम वर्ष में एक तकनीकी संस्था से दूसरे तकनीकी संस्था में केवल 04 स्थानांतरण राज्य शासन की अनुमति के पश्चात् विशेष परिस्थितियों में (मेडिकल, आर्थिक व अन्य), जिसे शासन द्वारा उचित समझा जाये, किये जा सकेंगे। इसके लिए स्थान रिक्त होने की आवश्यकता नहीं रहेगी। स्थानांतरण के अन्य प्रावधान निम्नानुसार रहेगा :-

(1) एक शासकीय तकनीकी संस्था से दूसरी शासकीय तकनीकी संस्था अथवा निजी संस्था में स्थानांतरण हो सकेंगे।

(2) एक निजी संस्था से अन्य निजी संस्था में स्थानांतरण हो सकेंगे परन्तु शासकीय तकनीकी संस्था में स्थानांतरण का प्रावधान नहीं रहेगा।

(3) जिस संस्था से छात्र दूसरे संस्था में स्थानांतरित होता है, वहां इस रिक्त सीट को दोबारा नहीं भरा जायेगा।

- (4) स्थानांतरण का आधार (मेडिकल, आर्थिक व अन्य) स्पष्टतया तथा सावधानीपूर्वक वर्णित होना चाहिए।
- (5) द्वितीय वर्ष में स्थानांतरण नियमानुसार स्थान रिक्त रहने पर ही किये जा सकेंगे। अंतिम वर्ष में स्थानांतरण का प्रावधान नहीं रहेगा।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार

(नीलकंठ टीकाम)
संयुक्त सचिव
छ.ग. शासन
कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा
एवं रोजगार विभाग

अनुसूची-ए

तकनीकी व्यावसायिक विषयों की सूची :-

1. इलेक्ट्रानिक मेकेनिक
2. मेकेनिक कम्प्यूटर हार्डवेयर
3. मेकेनिक इंडस्ट्रीयल इलेक्ट्रानिक्स
4. मेकेनिक मशीन टूल मैनटेनेंस
5. मेकेनिक मेकाट्रानिक्स
6. आपरेटर एडवांस्ड मशीन टूल्स
7. बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन
8. रिपेयर आफ रेडियो एण्ड टीवी
9. मोपेड, स्कूटर, मोटरसाईकिल रिपेयर
10. रिपेयर आफ इलेक्ट्रिक डोमेस्टिक एप्लाइन्सेस एण्ड इलेक्ट्रिक मोटर रिवाइडिंग
11. वेल्डिंग टेक्नोलॉजी एण्ड फेब्रीकेशन
12. इलेक्ट्रिकल टेक्नोलॉजी
13. आटोमोबाईल टेक्नोलॉजी
14. स्ट्रक्चर एण्ड फेब्रीकेशन टेक्नोलॉजी
15. एयर कन्डीशनिंग एण्ड रेफ्रिजेशन टेक्नोलॉजी
16. इलेक्ट्रानिक्स टेक्नोलॉजी

अनुसूची-बी

तकनीकी व्यावसायिक विषयों की सूची :-

1. हेल्थ केयर एण्ड ब्यूटी कल्चर
2. आपथेल्मिक टेक्निकस
3. मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी
4. आक्सिलरी नर्सिंग एण्ड मिडवायफेरी
5. एक्स रे टेक्निशियन

संबंधित/समुचित एम.ई./एम.टेक. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पात्रता के लिए संबंधित/समुचित विभिन्न स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम एवं जी.ए.टी.ई. (GATE) के विषय

क्र.	एम.ई./एम.टेक. पाठ्यक्रम का नाम जिसमें प्रवेश दिया जाना है	पात्रता हेतु संबंधित डिग्री पाठ्यक्रम के ब्रांच/ विषय का नाम इंजीनियरिंग एवं साइंस	संबंधित/समुचित जी.ए.टी.ई. परीक्षा के विषय
1	सी.ए.डी.- सी.ए.एम. (रोबोटिक्स)	मेकेनिकल इंजीनियरिंग/प्रोडक्सन इंजीनियरिंग	एम.ई./पी.आई.
2	कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग	कम्प्यूटर साइंस/इंफारमेशन टेक्नोलॉजी/इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग/इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग/टेली कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग/इलेक्ट्रीकल एण्ड इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग/ इंस्ट्रुमेंटेशन एण्ड कंट्रोल/ इलेक्ट्रानिक्स/ इलेक्ट्रानिक्स एण्ड इंस्ट्रुमेंटेशन/कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड साफ्ट वेयर इंजीनियरिंग/एम.सी.ए./ एम.एस.सी.(आई.टी.)/एम.एस.सी.(सी.एस.)/ एम.एस.सी. (इलेक्ट्रानिक्स) /ए.ई.एण्ड आई.	सी.एस./ई.सी./आई.एन./ई.ई.
3	इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग (डिजिटल इलेक्ट्रानिक्स)	इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग /इलेक्ट्रीकल एण्ड इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग /इलेक्ट्रानिक्स/इलेक्ट्रानिक्स एण्ड इंस्ट्रुमेंटेशन/इंस्ट्रुमेंटेशन एण्ड कंट्रोल/ए.ई.एण्ड आई/एम.एस.सी. (इलेक्ट्रानिक्स)	ई.सी./आई.एन.
4	इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग (इन्सट्रुमेंटेशन एण्ड कंट्रोल)	एप्लाइड इलेक्ट्रानिक्स एण्ड इन्सट्रुमेंटेशन/इलेक्ट्रानिक्स एण्ड इन्सट्रुमेंटेशन/इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग /इलेक्ट्रीकल एण्ड इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग /इन्सट्रुमेंटेशन/इलेक्ट्रानिक्स/इन्सट्रुमेंटेशन एण्ड कंट्रोल	ई.सी./आई.एन.
5	इनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग	कोई भी ब्रांच	कोई भी विषय
6	सिविल इंजीनियरिंग (स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग)	सिविल इंजीनियरिंग	सी.ई.
7	कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी/कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी एण्ड एप्लीकेशन	कम्प्यूटर साइंस/इंफारमेशन टेक्नोलॉजी/एम.सी.ए./एम.एस.सी.(आई.टी.)/ एम.एस.सी. (सी.एस.)/कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी	सी.एस.
8	इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग (कम्युनिकेशन)	इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग /इलेक्ट्रीकल एण्ड इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग /इलेक्ट्रानिक्स/एम.एस.सी. (इलेक्ट्रानिक्स)/इलेक्ट्रानिक्स एण्ड इंस्ट्रुमेंटेशन	ई.सी./आई.एन.
9	कम्प्यूटर एडेड डिजाइन	मेकेनिकल इंजीनियरिंग /प्रोडक्सन इंजीनियरिंग /रेफ्रीजरेशन एण्ड एयर कन्डीसनिंग/ आटो मोबाइल इंजीनियरिंग / मेनुफेक्चरिंग/ इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग /टूल एण्ड ड्राई मेकिंग/ड्रिलींग टेक्नोलॉजी/फेब्रीकेशन टेक्नोलॉजी एण्ड इरेक्शन इंजीनियरिंग /मेकाट्रानिक्स/टेक्सटाईल इंजीनियरिंग /प्रीटींग टेक्नोलॉजी /पेपर टेक्नोलॉजी /शुगर टेक्नोलॉजी /प्लास्टिक टेक्नोलॉजी	एम.ई./पी.आई./टी.एफ.
10	थर्मल इंजीनियरिंग	मेकेनिकल इंजीनियरिंग /प्रोडक्सन इंजीनियरिंग	एम.ई./पी.आई.
11	पावर इलेक्ट्रानिक्स	इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग /इलेक्ट्रीकल एण्ड इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग /इलेक्ट्रानिक्स/ए.ई. एण्ड आई./इलेक्ट्रानिक्स एण्ड इन्सट्रुमेंटेशन/इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग /एम.एस.सी. (इलेक्ट्रानिक्स)	ई.ई./ई.सी./आई.एन.
12	वी.एल.एस.आई. एण्ड एमबेडेड सिस्टम डिजाइन/ वी.एल.एस.आई. डिजाइन	इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग /इलेक्ट्रीकल एण्ड इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग /इलेक्ट्रानिक्स/इलेक्ट्रानिक्स एण्ड इन्सट्रुमेंटेशन/ कम्प्यूटर साइंस/इंफारमेशन टेक्नोलॉजी/इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग	ई.सी./सी.एस./आई.एन.

13	इनफरमेशन सिक्युरिटी	कम्प्यूटर साईस/ इनफरमेशन टेक्नोलॉजी/एम.एस.सी.(आई.टी.)	सी.एस.
14	साफ्टवेयर इंजीनियरिंग	कम्प्यूटर साईस/इनफरमेशन टेक्नोलॉजी/एम.एस.सी.(आई.टी.)	सी.एस.
15	मेकेनिकल इंजीनियरिंग डिजाईन/मशीन डिजाईन	मेकेनिकल इंजीनियरिंग /आटोमोबाईल इंजीनियरिंग /ऐरोनॉटिकल इंजीनियरिंग /प्रोडक्सन इंजीनियरिंग	एम.ई./ पी.आई.
16	मेकेनिकल इंजीनियरिंग (प्रोडक्सन इंजीनियरिंग)	मेकेनिकल इंजीनियरिंग /प्रोडक्सन इंजीनियरिंग /आटोमोबाईल इंजीनियरिंग /मटेरियल साईस/मेनुफेक्चरिंग/ईन्डसट्रीयल इंजीनियरिंग /मेटेलर्जी इंजीनियरिंग	एम.ई./ पी.आई./ एम.टी.
17	ईलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग (पावर सिस्टम इंजीनियरिंग) /ईलेक्ट्रीकल डिवाइसेस एण्ड पावर सिस्टम इंजीनियरिंग	ईलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग /ईलेक्ट्रीकल एण्ड ईलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग /पावर इंजीनियरिंग	ई.ई.
18	नेनो टेक्नोलॉजी	ईलेक्ट्रानिक्स/इन्सट्रुमेनटेशन/ई.एण्ड आई./मटेरियल साईस/केमिकल/बायो टेक्नोलॉजी /एम.एस.सी.(ईलेक्ट्रानिक्स)/ एम.एस.सी.(फीजिक्स)/ एम.एस.सी.(केमेस्ट्री)/ एम.एस.सी.(बायोटेक्नोलॉजी)	इ.सी./ आई.एन./ सी.एच./ बी.टी./ पी.एच./ सी.वाय
19	मशीन डिजाईन	मेकेनिकल इंजीनियरिंग /आटोमोबाईल इंजीनियरिंग /ऐरोनॉटिकल इंजीनियरिंग /प्रोडक्सन इंजीनियरिंग	एम.ई./ पी.आई.
20	इनफारमेशन टेक्नोलॉजी	कम्प्यूटर साईस/इनफारमेशन टेक्नोलॉजी/कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी/एम.सी.ए./ एम.एस.सी.(आई.टी.)/एम.एस.सी.(सी.एस.)	सी.एस.
21	इंडसट्रीयल इंजीनियरिंग /इंडसट्रीयल इंजीनियरिंग एण्ड मेनेजमेंट	मेकेनिकल इंजीनियरिंग /मेकट्रानिक्स/आटोमोबाईल इंजीनियरिंग /ऐरोनॉटिकल इंजीनियरिंग /इंडसट्रीयल इंजीनियरिंग /प्रोडक्सन इंजीनियरिंग /मेटलर्जी इंजीनियरिंग	एम.ई./ आई.एन./ पी.आई./ एम.टी.
22	ई.-सिक्युरिटी	कम्प्यूटर साईस/कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी/इनफारमेशन टेक्नोलॉजी /कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड साफ्ट वेयर इंजीनियरिंग /एप्लाइड ईलेक्ट्रानिक्स एण्ड इन्सट्रुमेनटेशन/ ईलेक्ट्रानिक्स एण्ड इन्सट्रुमेनटेशन/ ईलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्प्युनीकेशन इंजीनियरिंग / ईलेक्ट्रानिक्स एण्ड टेली कम्प्युनीकेशन इंजीनियरिंग /एम.सी.ए./ एम.एस.सी.(आई.टी.)/एम.एस.सी.(सी.एस.)	सी.एस./ ई.सी./ आई.एन.
23	ईलेक्ट्रानिक्स एण्ड टेलीकम्प्युनीकेशन	ईलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्प्युनीकेशन इंजीनियरिंग / ईलेक्ट्रीकल एण्ड ईलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग / ईलेक्ट्रानिक्स / ईलेक्ट्रानिक्स एण्ड इन्सट्रुमेनटेशन/ एम.एस.सी.(ईलेक्ट्रानिक्स)	ई.सी./ आई.एन.
24	ईलेक्ट्रानिक्स एण्ड इन्सट्रुमेनटेशन	एप्लाइड ईलेक्ट्रानिक्स एण्ड इन्सट्रुमेनटेशन/ईलेक्ट्रानिक्स एण्ड इन्सट्रुमेनटेशन/ ईलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्प्युनीकेशन इंजीनियरिंग /एम.सी.ए./ एम.एस.सी. (आई.टी.)/एम.एस.सी.(सी.एस.)	ई.सी./ आई.एन.
25	इंडसट्रीयल ड्राईव्स एण्ड कन्ट्रोल	इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग / ईलेक्ट्रीकल एण्ड ईलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग /ईलेक्ट्रानिक्स एण्ड पावर सिस्टम/पावर इंजीनियरिंग /पावर इलेक्ट्रानिक्स अथवा एप्रोप्रिएट डिस्प्लीन रिलेटेड टु इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग	ई.ई.
26	कम्प्यूटर नेटवर्क	कम्प्यूटर साईस/इनफारमेशन टेक्नोलॉजी/ईलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग / ईलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्प्युनीकेशन इंजीनियरिंग / ईलेक्ट्रीकल एण्ड ईलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग /इन्सट्रुमेनटेशन एण्ड कन्ट्रोल/ईलेक्ट्रानिक्स/ ईलेक्ट्रानिक्स एण्ड इन्सट्रुमेनटेशन/कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड साफ्टवेयर इंजीनियरिंग /ए.ई.आई./ एम.सी.ए./एम.एस.सी.(आई.टी.)/एम.एस.सी.(सी.एस.)/ एम.एस.सी.(ईलेक्ट्रानिक्स)	सी.एस./ ई.सी./ आई.एन./ ई.ई.

27	साईबर फोरेंसिक एण्ड इनफारमेशन सिक्युरिटी	कम्प्यूटर साईस/ इनफारमेशन टेक्नालॉजी/इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग / इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्प्युनीकेशन इंजीनियरिंग /इलेक्ट्रीकल एण्ड इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग / इन्सट्रुमेन्टेशन एण्ड कन्ट्रोल/इलेक्ट्रानिक्स/इलेक्ट्रानिक्स एण्ड इन्सट्रुमेन्टेशन/कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड साफ्टवेयर इंजीनियरिंग /ए.ई.आई./ एम.सी.ए./एम.एस.सी.(आई.टी.)/एम.एस.सी.(सी.एस.)/ एम.एस.सी.(इलेक्ट्रानिक्स)	सी.एस./ई.सी./आई.एन./ई.ई.
28	इनर्जी मेनेजमेंट	मेकेनिकल इंजीनियरिंग / आटोमोबाईल इंजीनियरिंग / प्रोडक्शन इंजीनियरिंग /इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग /मेकाट्रानिक्स/एरानोटीकल इंजीनियरिंग	एम.ई.
29	पावर सिस्टम एण्ड कन्ट्रोल	इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग / इलेक्ट्रीकल एण्ड इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग /इलेक्ट्रानिक्स एण्ड पावर सिस्टम/पावर इंजीनियरिंग /पावर इलेक्ट्रानिक्स अथवा एप्रोप्रिएट डिसेप्लीन रिलेटेड टु इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	ई.ई.
30	इंडस्ट्रीयल सेफ्टी	मेकेनिकल इंजीनियरिंग /सिविल इंजीनियरिंग /इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग /इलेक्ट्रानिक्स एण्ड टेलीकम्प्युनीकेशन इंजीनियरिंग / इलेक्ट्रीकल एण्ड इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग / केमिकल इंजीनियरिंग/ मेटलर्जी इंजीनियरिंग /माइनिंग इंजीनियरिंग /आटोमोबाईल इंजीनियरिंग /प्रोडक्शन इंजीनियरिंग /इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग /पावर इंजीनियरिंग / इलेक्ट्रानिक्स एण्ड इन्सट्रुमेन्टेशन/एरानोटीकल इंजीनियरिंग / इन्सट्रुमेन्टेशन एण्ड कन्ट्रोल/ ए.ई.आई. इंजीनियरिंग /पावर सिस्टम इंजीनियरिंग /पावर इलेक्ट्रानिक्स/मेकाट्रानिक्स इंजीनियरिंग	सी.ई./एम.ई./ई.ई./ई.सी./एम.टी./पी.आई./सी.एच.

- टीप :- (1) समुचित तकनीकी विषयों को समान मानते हुये एकजाई मेरिट के आधार पर आबंटन किया जायेगा।
- (2) किसी तकनीकी विषयों के समतुल्य होने के संबंध में कोई प्रश्न उत्पन्न होने पर काउंसिलिंग समिति का निर्णय अंतिम होगा।
- (3) यह नियमित कोर्स है एवं नौकरी पेशा अभ्यर्थी को प्रवेश के लिए अपने नियोक्ता से इस संबंध में अनापत्ति/प्रायोजन प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य है। इनके लिए कोई उम्र सीमा निर्धारित नहीं है।
- (4) इलेक्ट्रानिक्स, इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्प्युनीकेशन, इलेक्ट्रानिक्स एण्ड टेलीकम्प्युनीकेशन को समतुल्य माना जाएगा। एप्लाइड इलेक्ट्रानिक्स एण्ड इन्सट्रुमेन्टेशन, इलेक्ट्रानिक्स एण्ड इन्सट्रुमेन्टेशन को समतुल्य माना जाएगा। इसी प्रकार फीजिक्स एवं एप्लाइड फीजिक्स तथा केमेस्ट्री एवं एप्लाइड केमेस्ट्री को समतुल्य माना जाएगा।
- (5) एम.ई./एम.टेक. के किसी विषय में प्रवेश के लिए जी.ए.टी.ई. (गेट) के विभिन्न विषयों को समान मानते हुए प्राप्तांको के प्रतिशत के आधार पर मेरिट निर्धारित किया जाएगा।

संबंधित/समुचित बी.ई. एवं बी. फार्मसी पाठ्यक्रम के लिए पात्रता हेतु संबंधित/समुचित डिप्लोमा पाठ्यक्रम के ब्रांच का नाम:

क्रमांक	डिग्री पाठ्यक्रम की ब्रांच का नाम जिसमें प्रवेश दिया जाना है	पात्रता हेतु संबंधित/समुचित डिप्लोमा पाठ्यक्रम के ब्रांच का नाम (3 वर्षीय इंजीनियरिंग डिप्लोमा होना अनिवार्य है)
1	बायोटेक्नालॉजी	संबंधित ब्रांच - बायोटेक्नालॉजी समुचित ब्रांच - केमिकल इंजीनियरिंग/फूड टेक्नालॉजी/शुगर टेक्नालॉजी/ बायो मेडिकल इंजीनियरिंग
2	केमिकल इंजीनियरिंग	संबंधित ब्रांच - केमिकल इंजीनियरिंग/केमिकल टेक्नालॉजी समुचित ब्रांच - पेट्रोकेमिकल एंड रिफायनरी इंजीनियरिंग/प्लास्टिक टेक्नालॉजी/सीमेंट टेक्नालॉजी/पल्प एंड पेपर टेक्नालॉजी/शुगर टेक्नालॉजी/पॉलीमर/रबर टेक्नालॉजी/ऑयल एंड पेंट टेक्नालॉजी/लेदर टेक्नालॉजी/ फूड प्रोसेसिंग टेक्नालॉजी/ प्लास्टिक मोल्ड टेक्नालॉजी
3	सिविल इंजीनियरिंग	संबंधित ब्रांच - सिविल इंजीनियरिंग / कन्स्ट्रक्शन टेक्नालॉजी एंड मेनेजमेंट समुचित ब्रांच - एनवॉयरमेंट इंजीनियरिंग/सिविल एंड रूरल इंजीनियरिंग/ सिविल एंड सेनेटरी इंजीनियरिंग/ट्रांसपोर्टेशन इंजीनियरिंग
4	कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग	संबंधित ब्रांच - कम्प्यूटर साइंस समुचित ब्रांच - इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी
5	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	संबंधित ब्रांच - इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग समुचित ब्रांच - इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग/पावर इंजीनियरिंग
6	इलेक्ट्रानिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग/ इलेक्ट्रानिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	संबंधित ब्रांच - इलेक्ट्रानिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन/ इलेक्ट्रानिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग समुचित ब्रांच - इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग/इलेक्ट्रानिक्स एंड इन्स्ट्रुमेंटेशन/आप्टो इलेक्ट्रानिक्स/इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रानिक्स/मेकाट्रानिक्स/डिजिटल इलेक्ट्रानिक्स/ इन्स्ट्रुमेंटेशन एंड प्रोसेस कंट्रोल इंजीनियरिंग/ इन्स्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग
7	इलेक्ट्रानिक्स एंड इन्स्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग/ ए.ई.आई.	संबंधित ब्रांच - इलेक्ट्रानिक्स एंड इन्स्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग समुचित ब्रांच - इलेक्ट्रानिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग/इन्स्ट्रुमेंटेशन एंड प्रोसेस कंट्रोल इंजीनियरिंग/ इन्स्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग/इलेक्ट्रानिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग
8	इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग	संबंधित ब्रांच - इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग समुचित ब्रांच - इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रानिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन/ आप्टो इलेक्ट्रानिक्स/इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रानिक्स/ मेकाट्रानिक्स/ इन्स्ट्रुमेंटेशन एंड प्रोसेस कंट्रोल/ इलेक्ट्रानिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग/ इन्स्ट्रुमेंटेशन इंजीनियरिंग
9	इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी	संबंधित ब्रांच - इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी समुचित ब्रांच - कम्प्यूटर साइंस
10	मेकेनिकल इंजीनियरिंग	संबंधित ब्रांच - मेकेनिकल इंजीनियरिंग समुचित ब्रांच - प्रोडक्शन इंजीनियरिंग/रेफ्रीजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग इंजीनियरिंग /ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग /मेन्युफेक्चरिंग टेक्नालॉजी/ मेटलर्जी इंजीनियरिंग /इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग/टूल एंड ड्राई मेकिंग/ फ्रेबीकेशन टेक्नालॉजी एंड इरेक्शन इंजीनियरिंग/ ड्रिलिंग टेक्नालॉजी /मेकाट्रानिक्स/टेक्सटाइल इंजीनियरिंग/ पल्प एंड पेपर टेक्नालॉजी/शुगर टेक्नालॉजी/प्लास्टिक टेक्नालॉजी
11	मेकाट्रानिक्स इंजीनियरिंग	संबंधित ब्रांच - मेकाट्रानिक्स इंजीनियरिंग समुचित ब्रांच - इलेक्ट्रानिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन/मेकेनिकल इंजीनियरिंग

12	मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग	संबंधित ब्रांच - मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग समुचित ब्रांच - मिनरल इंजीनियरिंग /सिरेमिक इंजीनियरिंग
13	माइनिंग इंजीनियरिंग	संबंधित ब्रांच - माइनिंग इंजीनियरिंग समुचित ब्रांच - माइन सर्वेइंग /ड्रिलिंग इंजीनियरिंग/ मिनरल इंजीनियरिंग
14	प्रोडक्शन इंजीनियरिंग	संबंधित ब्रांच - प्रोडक्शन इंजीनियरिंग समुचित ब्रांच - मेकेनिकल इंजीनियरिंग/रेफ्रीजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग इंजीनियरिंग /ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग /मेन्युफेक्चरिंग टेक्नालॉजी/ मेटलर्जी इंजीनियरिंग /इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग/टूल एंड डाई मेकिंग/ फ्रेवीकेशन टेक्नालॉजी एंड इरेक्शन इंजीनियरिंग/ ड्रिलिंग टेक्नालॉजी/मेकाट्रानिक्स/टेक्सटाइल इंजीनियरिंग/ पल्प एंड पेपर टेक्नालॉजी/ शुगर टेक्नालॉजी/प्लास्टिक टेक्नालाजी
15	बी. फार्मेसी	डी. फार्मेसी (द्विवर्षीय)

टीप :-

1. सबसे पहले संबंधित ब्रांच के अभ्यर्थी को प्रवेश हेतु प्राथमिकता दी जावेगी। यदि सीट रिक्त हो और संबंधित ब्रांच के अभ्यर्थी उपलब्ध न हो तो फिर समुचित ब्रांचों को समान मानते हुये एकजाई मेरिट के आधार पर आबंटन किया जायेगा। किसी ब्रांच के नाम में इंजीनियरिंग अथवा टेक्नालॉजी प्रत्यय होने पर उसे समान माना जाएगा।
2. बी.एस.सी. अभ्यर्थी डिप्लोमा अभ्यर्थी के पश्चात सीट रिक्त रहने पर किसी भी ब्रांच (फार्मेसी को छोड़कर) में प्रवेश हेतु पात्र हैं।
3. किसी ब्रांच के समतुल्य होने के संबंध में कोई प्रश्न उत्पन्न होने पर काउंसिलिंग समिति का निर्णय अंतिम होगा।
4. यह नियमित कोर्स है एवं नौकरी पेशा अभ्यर्थी को प्रवेश के लिए अपने नियोक्ता से इस संबंध में अनापत्ति /प्रायोजन प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य है। इनके लिए कोई उम्र सीमा निर्धारित नहीं है।
5. बी.एस.सी. स्नातकों को तकनीकी विश्वविद्यालय के नियमानुसार इंजीनियरिंग ड्राईंग, वर्कशॉप, एप्लाइड मेकेनिक्स, बेसिक इंजीनियरिंग आदि विषय का अतिरिक्त अध्ययन कर इन विषयों की परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। डिप्लोमाधारी को भी तकनीकी विश्वविद्यालय के नियमानुसार गणित, भौतिक, रसायन आदि एवं अन्य विषय को अतिरिक्त अध्ययन कर परीक्षा उत्तीर्ण करना होगा। इसकी जानकारी छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई से प्राप्त की जा सकती है।

डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए पात्रता हेतु समुचित 2 वर्षीय आई.टी.आई. ट्रेड का नाम एवं 12 वीं स्तर पर व्यावसायिक/तकनीकी विषय के नाम

क्रमांक	डिप्लोमा पाठ्यक्रम का नाम जिसमें प्रवेश लिया जाना है	पात्रता हेतु समुचित 2 वर्षीय आई.टी.आई. ट्रेड का नाम	पात्रता हेतु 12 वीं स्तर पर व्यावसायिक/तकनीकी विषय के नाम
1	सी.डी.डी.एम.	निरंक	1. टेक्सटाईल साईंस 2. डिजाईनिंग एण्ड पेटर्न मेकिंग 3. क्लाथ कंसट्रक्शन 4. बेसिक डिजाईन 5. डाईंग एण्ड प्रीट्रींग 6. गारमेंट मेकिंग 7. फैशन डिजाईनिंग एण्ड गारमेंट मेकिंग
2	केमिकल इंजीनियरिंग	1. अटेन्डेंट/आपरेटर(केमिकल प्लांट) 2. इन्सट्रुमेंट मेकेनिक (केमिकल प्लांट) 3. लेबोरिटी असिस्टेंट (केमिकल प्लांट) 4. मेन्टेनेंस मेकेनिक (केमिकल प्लांट) 5. प्रोसेस प्लांट मेन्टेनेंस	निरंक
3	सिविल इंजीनियरिंग	1. ड्राफ्ट्समेन (सिविल) 2. सरवेयर	1. सिविल इंजीनियरिंग 2. बिल्डींग कंसट्रक्शन
4	कम्प्यूटर साईंस एवं इंजीनियरिंग	1. इनफारमेशन टेक्नोलॉजी एण्ड इलेक्ट्रानिक्स सिस्टम मेन्टेनेंस 2. मेकेनिक कम्प्यूटर हार्डवेयर 3. आई.टी.सेक्टर	1. कम्प्यूटर एप्लीकेशन 2. आई.टी. सिस्टम 3. बिजनेस डाटा प्रोसेसिंग 4. डीटीपी, सीएडी एण्ड मल्टीमिडिया, 5. इनफारमेशन टेक्नोलॉजी
5	ईलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग	1. ईलेक्ट्रीशियन 2. ईलक्ट्रोप्लेटर 3. ईलेक्ट्रीकल सेक्टर	1. ईलेक्ट्रीकल साईंस, 2. ईलेक्ट्रीकल मशीन, 3. ईलेक्ट्रीकल एप्लाइसेस, 4. रिपेयर आफ ईलेक्ट्रीक डोमेस्टीक एप्लाइसेस एण्ड ईलेक्ट्रीक मोटर रिवाइंडिंग
6	ईलेक्ट्रानिक्स एवं टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग	1. ईलेक्ट्रानिक मेकेनिक 2. इनफारमेशन टेक्नोलॉजी एण्ड ईलेक्ट्रानिक्स सिस्टम मेन्टेनेंस 3. इन्सट्रुमेंट मेकेनिक 4. मेकेनिक (रेडियो एण्ड टीवी) 5. मेकेनिक कंज्युमर इलेक्ट्रानिक्स 6. मेकेनिक इंडसट्रीयल ईलेक्ट्रानिक्स 7. मेकेनिक मेकाट्रानिक्स 8. मेकेनिक मेडिकल ईलेक्ट्रानिक्स 9. मेकेनिक कम आपरेटर ईलेक्ट्रानिक्स कम्प्युनिकेशन सिस्टम 10. प्रोसेस कंट्रोल एण्ड इंसट्रुमेन्टेशन 11. इंडसट्रीयल आटोमेशन	1. इलेक्ट्रानिक्स डिवाईस एण्ड सरकिट्स 2. रेडियो इंजीनियरिंग एण्ड आडियो सिस्टम 3. टेलीविजन एण्ड विडियो सिस्टम 4. टेक्सटाईल मेकाट्रानिक्स 5. रिपेयर आफ रेडियो एण्ड टीवी

7	इन्सट्रुमेन्टेशन	1. इन्सट्रुमेट मेकेनिक (केमिकल प्लांट) 2. इन्सट्रुमेट मेकेनिक 3. प्रोसेस कन्ट्रोल एण्ड इंसट्रुमेन्टेशन 4. इंडस्ट्रीयल आटोमेशन	निरंक
8	मेकेनिकल इंजीनियरिंग	1. ड्राफ्टमेन (मेकेनिकल) 2. फीटर 3. मशीनिस्ट 4. लिफ्ट मेकेनिक 5. मशीनिस्ट (ग्राइंडर) 6. मेंटेनेंस मेकेनिक (केमिकल प्लांट) 7. मेरीन फीटर 8. मेकेनिक मशीन टुल्स मेंटेनेंस 9. मेकेनिक मेकाट्रानिक्स 10. आपरेटर एडवांसड मशीन टुल्स 11. टुल्स एण्ड डाई मेकर (डाई एण्ड मोल्ड्स) 12. टुल्स एण्ड डाई मेकर (प्रेस टुल्स जिग्स एण्ड फिक्सचर्स) 13. टर्नर 14. मेकेनिक (रेफ्रिजरेटर एण्ड एअर कंडीशनर) 15. मेकेनिक (मोटर) 16. टेक्सटाईल मेकाट्रानिक्स 17. स्पीनिंग टेक्नीशियन 18. विविंग टेक्नीशियन 19. वेसल नाविगेटर 20. फेब्रिकेशन फिटिंग एण्ड वेल्डिंग 21. इंडस्ट्रीयल आटोमेशन 22. प्रोडक्शन एण्ड मनुफेक्चरिंग 23. प्रोसेस प्लांट मेंटेनेंस 24. आटोमोबाईल	1. आटो इंजीनियरिंग 2. आटो शॉप रिपेयर एण्ड प्रेक्टिस 3. फेब्रिकेशन 4. आटोमोबाईल 5. एअर कंडिशनिंग एण्ड रेफ्रिजरेशन 6. मेकेनिकल इंजीनियरिंग 7. मोपेड स्कूटर मोटर साईकल रिपेयर 8. वेल्डिंग टेक्नोलॉजी एण्ड फेब्रिकेशन
9	इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी	1. इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी एण्ड इलेक्ट्रानिक्स सिस्टम मेंटेनेंस	1. आई.टी 2. आई.टी. सिस्टम 3. बिजनेस डाटा प्रोसेसिंग 4. डीटीपी, सीएडी एण्ड मल्टीमिडिया 5. कम्प्यूटर एप्लीकेशन
10	मेटलर्जी	इलेक्ट्रोप्लेटर	निरंक
11	मार्निंग	मेकेनिक मार्निंग मशीनरी	निरंक

टीप :-

- (1) समुचित तकनीकी आई.टी.आई. ट्रेड एवं 12वीं स्तर पर व्यवसायिक/तकनीकी विषय को समान मानते हुये एकजाई मेरिट के आधार पर आबंटन किया जायेगा।
- (2) किसी तकनीकी आई.टी.आई. ट्रेड का नाम एवं वोकेशनल/तकनीकी विषय के समतुल्य होने के संबंध में कोई प्रश्न उत्पन्न होने पर काउंसिलिंग समिति का निर्णय अंतिम होगा।
- (3) यह नियमित कोर्स है एवं नौकरी पेशा अभ्यर्थी को प्रवेश के लिए अपने नियोक्ता से इस संबंध में प्रायोजन प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य है। इनके लिए कोई उम्र सीमा निर्धारित नहीं है।

- (4) लेटरल एंट्री में प्रवेशित अभ्यर्थियों को तकनीकी विश्वविद्यालय के नियमानुसार प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के समस्त विषयों का अध्ययन कर इन विषयों की परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी । इसके लिए प्रवेश से पूर्व विश्वविद्यालय से जानकारी प्राप्त की जा सकती है ।
- (5) सेंटर आफ एक्सिलेंस योजना के अंतर्गत आई.टी.आई. से मल्टी स्किल माड्यूलर कोर्स के अंतर्गत एक वर्ष का बीबीबीटी, 6 माह का एडवांस ट्रेनिंग तथा 6 माह का विशेष औद्योगिक प्रशिक्षण कुल मिलाकर 2 वर्ष का कोर्स भी 2 वर्षीय कोर्स के समान मान्य होगा । कुल अवधि 2 वर्ष से कम होने पर मान्य नहीं होगा ।
- (6) 12 वीं विज्ञान (गणित अनिवार्य) विषय के अभ्यर्थी उपरोक्त सभी पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पात्र हैं ।
- (7) एम.ओ.एम. एवं आर्किटेक्चर पाठ्यक्रमों में लेटरल एंट्री के माध्यम से प्रवेश का प्रावधान नहीं है ।

प्रमाण-पत्रों के प्रारूप

प्रारूप-1

(नियम 5.1)

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (प्रमाणीकरण)

अनुभाग जिला छत्तीसगढ़

पुस्तक क्रमांक

प्रमाण पत्र क्रमांक प्रकरण क्रमांक

स्थायी जाति प्रमाण पत्र

1. यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री पिता/पति का नाम
..... निवासी ग्राम/नगर पटवारी हल्का नं. वि.खं.
..... तहसील जिला संभाग
जाति/जनजाति का/की सदस्य है और इस जाति /जनजाति को संविधान के अनुच्छेद 341 के अधीन छत्तीसगढ़ राज्य के
संबंध में अनुसूचित जाति/जनजाति के रूप में विनिर्दिष्ट किया गया है और यह जाति/जनजाति एवं अनुसूचित
जाति एवं जनजाति संशोधन अधिनियम 1976 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ की सूची में अनुक्रमांक.....पर
अंकित है अतः श्री/सुश्री पिता/पति का नाम
अनुसूचित जाति/जनजाति का/की है।

2. प्रमाणित किया जाता है कि आवेदक श्री/सुश्री के परिवार की कुल वार्षिक आय
रुपये है।

दिनांक-

हस्ताक्षर

प्रमाणीकरण अधिकारी का नाम

पदनाम एवं सील

टिप्पणी

1. अनुसूचित जाति का अर्थ है संविधान के अनुच्छेद 341 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति का अर्थ है संविधान अनुच्छेद 342 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट छत्तीसगढ़ राज्य से संबंधित जनजाति
2. केवल निम्नलिखित अधिकारियों द्वारा जारी किए गए प्रमाण पत्र मान्य होंगे। (अ) कलेक्टर/अतिरिक्त कलेक्टर/डिप्टी कलेक्टर/एस.डी.ओ. अनुविभागीय अधिकारी उप संभागीय मजिस्ट्रेट/सिटी मजिस्ट्रेट (ब) तहसीलदार (स) नायब तहसीलदार (द) परियोजना प्रशासक/अधिकारी, वृहद्/मध्यम/एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना, जैसा कि राज्य शासन द्वारा निर्धारित किया जाय।

यह प्रमाण पत्र उपरोक्त में से किसी भी एक अधिकारी द्वारा नियत जांच एवं आत्म संतुष्टि के पश्चात ही जारी किया जाये, न कि अभ्यर्थी के अभिभावक द्वारा दिये गये शपथ पत्र के आधार पर और न ही स्थानीय निकायों के सदस्यों द्वारा जारी किये गये प्रमाण पत्र के आधार पर।

प्रारूप-2

(नियम 5.1)

छत्तीसगढ़ की अन्य पिछड़ा वर्ग (क्रीमी लेयर को छोड़ कर) प्रवर्ग
के अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाले प्रमाण पत्र

कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी प्रमाणीकरण

अनुभाग जिला छत्तीसगढ़
पुस्तक क्रमांक प्रमाण पत्र क्रमांक

स्थायी जाति प्रमाण पत्र

1. यह प्रमाणित किया जाता है कि श्रीआत्मज
श्री निवासी ग्रामजिला संभाग
..... छत्तीसगढ़ के निवासी है, जोजाति के हैं, जिसे
पिछड़ा वर्ग के रूप में छत्तीसगढ़ आदिमजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा-वर्ग कल्याण विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ
8-5/25/4/84, दिनांक 26 दिसंबर, 1984 द्वारा अधिमन्य किया गया है।

श्री और/या उनका परिवार सामान्यतः छत्तीसगढ़ के जिलासंभाग
..... में निवास करता है व छत्तीसगढ़ राज्य में दिनांक को
प्रवजन कर चुका है।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि श्री..... क्रीमी लेयर (संपन्न वर्ग) व्यक्तियों/वर्णों की
प्रवर्ग में नहीं आते है, जिनका उल्लेख भारत सरकार, कर्मियों एवं प्रशिक्षण के परिपत्र क्रमांक 360/2122/93/स्था.
(एस.सी.टी.) दिनांक 8-9-93 द्वारा जारी सूची में कालम-3 में तथा छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञापन
क्रमांक एफ 7-26/93/1 आ.प्र. दिनांक 8 मार्च 1994 के साथ संलग्न परिशिष्ट ई की अनुसूची के कालम (3) में किया गया
है।

2. यह प्रमाणित किया जाता है कि आवेदक श्री/सुश्रीके परिवार की कुल
वार्षिक आय रुपये है।

दिनांक

हस्ताक्षर
प्रमाणीकरण अधिकारी का नाम
पदनाम एवं सील

प्रारूप-3 (अ)

(नियम 5.2.1)

सैनिक वर्ग हेतु प्रमाण-पत्र

भूतपूर्व मृत प्रतिरक्षा कर्मचारी अथवा स्थायी रूप से निःशक्तता से बाधित
प्रतिरक्षा कार्मिक की संतान हेतु

संदर्भ क्रमांक.....

दिनांक

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती (माता/पिता का नाम)जो
कि पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी श्री/कुमारी (छात्र/छात्रा का नाम) के
पिता/माता है,

(अ) थलसेना/वायुसेना/नौसेना के/की एक भूतपूर्व सैनिक है। सेवानिवृत्ति/सेवामुक्ति के समय वे.....पद
पर थे/थी और उनका सर्विस क्रमांक..... था।

(ब) उन्होंने थलसेना/वायुसेना/नौ सेना में पद पर सर्विस क्रमांक के
अधीन सेवा की है। सेवा के दौरान वे स्थायी रूप से निःशक्तजन हो गए है/सेवा के दौरान उनकी मृत्यु वर्ष में हो
चुकी है।

स्थान

दिनांक

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी के हस्ताक्षर
(हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा)
कार्यालय सील सैनिक कल्याण अधिकारी

प्रारूप-3 (ब)

(नियम 5.2.1)

सैनिक वर्ग हेतु प्रमाण-पत्र

भूतपूर्व प्रतिरक्षा कर्मचारी द्वारा स्थायी रूप से छत्तीसगढ़ में व्यवस्थापित होने संबंधी प्रमाण पत्र

संदर्भ क्रमांक.....

दिनांक

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री(अभ्यर्थी के
माता/पिता नाम) जो कि पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी श्री/सुश्री

(अभ्यर्थी का नाम) के माता/पिता हैं, भूतपूर्व प्रतिरक्षा कार्मिक है और स्थायी रूप से

(स्थान) तहसील.....जिला.....छत्तीसगढ़

राज्य में व्यवस्थापित है ।

स्थान

दिनांक

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी के हस्ताक्षर
(हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा)

कार्यालय सील सैनिक कल्याण अधिकारी

प्रारूप-3 (स)
(नियम 5.2.1)
सैनिक वर्ग हेतु प्रमाण-पत्र

कार्यरत प्रतिरक्षा कर्मचारी की संतान हेतु

संदर्भ क्रमांक.....

दिनांक

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री.....(अभ्यर्थी के पिता/माता का नाम)जो कि पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी श्री/सुश्री..... (अभ्यर्थी का नाम) के पिता/माता (जो लागू न हो उसे काट दें) हैं वह थल सेना/वायु सेना/नौसेना में ओहदे पर सर्विस क्रमांक.....के अधीन कार्यरत प्रतिरक्षा कार्मिक हैं और वह प्रतिरक्षा..... इकाई में पदस्थ हैं । वे इस इकाई में दिनांकसे सेवारत हैं ।

स्थानदिनांक

(हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा)
कार्यालय सील
कमांडिंग आफिसर

प्राखूप-4

(नियम 5.2.2)
स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वर्ग हेतु प्रमाण पत्र

संदर्भ क्रमांक.....

दिनांक.....

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री
(अभ्यर्थी का नाम) श्री/सुश्री..... (अभ्यर्थी के पिता/माता का नाम)
के/की वैध संतान है। जो श्री/सुश्री.....(स्वतंत्रता
संग्राम सेनानी का नाम) के/की वैध संतान है। श्री/ सुश्री.....
(स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम) का नाम छत्तीसगढ़ के जिला.....के
कलेक्टर कार्यालय में संधारित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की पंजी में क्रमांक.....पर
पंजीकृत है ।

स्थान

(हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा)

दिनांक

कलेक्टर अथवा कलेक्टर द्वारा
प्राधिकृत डिप्टी कलेक्टर से
अन्यून स्तर का राजस्व अधिकारी

पदनाम एवं सील

प्रारूप-5
(नियम 6.2)
स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र

क्रमांक दिनांक.....
प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री
आत्मज/आत्मजा/पत्नी निवासी.....
तहसील व जिला..... छत्तीसगढ़ का स्थानीय

निवासी है, क्योंकि वह -

1/ निम्नलिखित चार में से किसी एक कण्डिका में उल्लेखित शर्त की पूर्ति करता है :-

1. वह छत्तीसगढ़ में पैदा हुआ है/हुई है ।
2. (क) वह,
अथवा
(ख) उसके पालकों में से कोई -
अथवा
(ग) उसके पालकों में से यदि कोई जीवित न हो, तो उसका वैद्य अभिभावक (गार्जियन) छत्तीसगढ़ में निरंतर कम से कम 15 वर्ष से रह रहा है ।
3. उसके पालकों में से कोई भी:-
(क) राज्य शासन का सेवारत या सेवानिवृत्ति कर्मचारी है
अथवा
(ख) केन्द्रीय शासन का कर्मचारी है, जो छत्तीसगढ़ राज्य में सेवारत है,
4. (क) वह स्वयं
अथवा
(ख) उसके पालक राज्य में पिछले पांच वर्षों से कोई अचल संपत्ति, उद्योग अथवा व्यवसाय रखते हैं ।

परंतु उपरोक्त के अतिरिक्त निम्नलिखित में से किसी एक कंडिका में उल्लेखित शर्त की पूर्ति भी करता है ।

5. उसने अपनी शिक्षा छत्तीसगढ़ राज्य अथवा अविभाजित मध्यप्रदेश के छत्तीसगढ़ राज्य में शामिल जिलों में स्थित किसी भी शिक्षण संस्था में कम से कम तीन वर्ष तक प्राप्त की है,
6. उसने छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित किसी भी शिक्षण संस्था से निम्नलिखित परीक्षाएं उत्तीर्ण की हों अर्थात:-
(क) यदि किसी संस्था में प्रवेश के लिये या शासन के अधीन सेवा के लिये न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की स्नातक या उससे उच्चतर उपाधि निर्धारित हो, तो उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या 8 वीं कक्षा की परीक्षा.
(ख) यदि किसी संस्था में प्रवेश के लिये या शासन के अधीन सेवा के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता, किसी भी विश्वविद्यालय या बोर्ड की इंटर मीडिएट, हायर सेकेण्डरी या कोई और समकक्ष परीक्षा निर्धारित की गई हो, तो आठवीं कक्षा की परीक्षा.
(ग) अन्य मामलों में पांचवीं कक्षा की परीक्षा,

2/ उपरोक्त के अलावा निम्नलिखित में से किसी श्रेणी के व्यक्ति भी छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासी होंगे:-

- (क) छत्तीसगढ़ राज्य को आबंटित अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों की पत्नी/पति अथवा संतान
- (ख) छत्तीसगढ़ राज्य शासन के अधिकारियों/कर्मचारियों की पत्नी/पति अथवा संतान ।
- (ग) छत्तीसगढ़ में सवैधानिक या अन्य विधिक (Statutory) पदों पर राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त व्यक्तियों की पत्नी/पति अथवा संतान ।
- (घ) राज्य के अधीन स्थापित संस्थाओं या निगम या मंडल या आयोग में पदस्थ पदाधिकारी/ अधिकारी/कर्मचारी, उनकी पत्नी/पति अथवा संतान ।

3/ उपरोक्त मापदण्डों के अनुरूप जो व्यक्ति स्थानीय निवासी माना जायेगा, उसकी पत्नी/पति अथवा संतान भी छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासी होंगे ।

प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर
पदनाम एवं सील

प्रारूप-6
(नियम 6.2)

छत्तीसगढ़ शासन अथवा उसके सार्वजनिक उपक्रमों/अर्धशासकीय निकायों व छत्तीसगढ़ के स्थानीय शासनों के कार्मिकों संबंधी प्रमाण-पत्र

संदर्भ क्रमांक

दिनांक.....

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री.....(अभ्यर्थी का नाम) जो
पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश का/की अभ्यर्थी है श्री/सुश्री.....(अभ्यर्थी के पिता/माता
का नाम) का की/संतान है,

क- जो छत्तीसगढ़ शासन केविभाग में.....पद
पर.....तिथि से पदस्थ छत्तीसगढ़ शासन के कार्मिक हैं ।

अथवा

ख- जो छत्तीसगढ़ शासन केविभाग मेंपद पर
पदस्थ छत्तीसगढ़ शासन के कार्मिक थे ओर.....तिथि से इस विभाग से सेवानिवृत्त हुए ।

स्थान.....

कार्यालय प्रमुख अथवा विभागाध्यक्ष के

दिनांक.....

(नाम, हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा)

प्रारूप-7
(नियम 6.2)

भारत सरकार अथवा उसके सार्वजनिक उपक्रमों/अर्धशासकीय निकायों के छत्तीसगढ़ में पदस्थ
कार्मिकों के स्थानीय निवासी संबंधी प्रमाण पत्र

संदर्भ क्रमोंक.....

दिनोंक.....

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री.....(अभ्यर्थी का नाम)

जो पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी है, श्री/सुश्री.....(अभ्यर्थी के

पिता/माता का नाम) का/की/संतान है, जो.....तिथि से छत्तीसगढ़ में स्थित इस कार्यालय.....

स्थान.....जिला.....में.....पद पर पदस्थ हैं

जो

भारत सरकार के.....विभाग

अथवा

भारत सरकार केसार्वजनिक उपक्रम

अथवा

भारत सरकार केअर्धशासकीय निकाय

का / की कार्मिक है ।

स्थान.....

दिनोंक.....

कार्यालय प्रमुख अथवा विभागाध्यक्ष
के नाम, हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा

प्रारूप-8
(नियम 6.2)

छत्तीसगढ़ में पुनर्वास स्थापन संबंधी प्रमाण पत्र

संदर्भ क्रमांक

दिनांक.....

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री.....जो..... पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी है । श्री/सुश्रीका/की/संतान है, जो.....योजना के तहत छत्तीसगढ़ में व्यवस्थापित है। यह योजना भारत शासन/छत्तीसगढ़ द्वारा स्वीकृत पुनर्व्यवस्थापन योजना है ।

स्थान

दिनांक

हस्ताक्षर

कलेक्टर/जिला मजिस्ट्रेट
पदनाम एवं सील

प्रारूप-9
(नियम 5.3)

जम्मू एवं कश्मीर राज्य के विस्थापित की संतान हेतु प्रमाण पत्र

संदर्भ क्रमांक.....

दिनांक.....

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री.....(अभ्यर्थी का नाम) जो पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश के अभ्यर्थी है श्री/सुश्री.....(अभ्यर्थी के पिता/माता का नाम) की संतान है जो जम्मू कश्मीर राज्य के विस्थापित हैं ।

स्थान.....

.....

दिनांक.....

(हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा)

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)

प्रारूप-10
(नियम 5.3)

छत्तीसगढ़ के कार्मिक जिनकी पदस्थापना आतंकवादी गतिविधियों के नियंत्रण हेतु जम्मू एवं कश्मीर राज्य में की गई हो की संतान हेतु प्रमाण पत्र

संदर्भ क्रमोंक.....

दिनोंक.....

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री.....(अभ्यर्थी का नाम) जो पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में जम्मू एवं कश्मीर राज्य के विस्थापित अभ्यर्थियों की स्थानों के विरुद्ध प्रवेश का अभ्यर्थी है, के पिता/माता श्री/सुश्री.....छत्तीसगढ़ के कार्मिक हैं जम्मू एवं कश्मीर राज्य में आतंकवादी गतिविधियों के नियंत्रण हेतु पदस्थ हैं जिनकी पदस्थापना दिनोंक.....से दिनोंक.....तक(स्थान का नाम) जिला.....में रही है ।

स्थान.....
दिनोंक.....

(हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा)

शासन में विभागाध्यक्ष अधिकारी का नाम,
हस्ताक्षर, पद एवं
विभाग का नाम

प्रारूप-11

न्यायालय तहसीलदार, तहसील..... जिला (छत्तीसगढ़)

/ आय प्रमाण-पत्र /

राजस्व प्रकरण क्र.....

दिनांक.....

प्रमाणित किया जाता है कि श्री पिता श्री निवासी
.....तहसील जिला (छ.ग.) का
31 मार्च 20..... को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष में समस्त स्रोतों से वार्षिक आय रु शब्दों
मेंरूपये है ।

यह आय प्रमाण पत्र आवेदक के पुत्र/पुत्री/पत्नि..... के लिए जारी किया जाता है।

स्थान :

दिनांक :

हस्ताक्षर
प्राधिकृत अधिकारी,
पदनाम एवं सील

नोट :

1. यह प्रमाण-पत्र बहुत ही महत्वपूर्ण दस्तावेज है तथा शिक्षण शुल्क में माफी मुख्यतः इस प्रमाण पत्र के आधार पर की जाती है ।
अतः प्रमाण-पत्र जारी करने वाले सक्षम अधिकारी यथोचित सावधानी पूर्वक यह प्रमाण-पत्र जारी करें ।
2. सक्षम अधिकारी अन्य प्रारूप में जिसमें वित्तीय वर्ष एवं समस्त स्रोतों का उल्लेख हो में भी आय प्रमाण पत्र जारी कर सकते हैं ।